website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 93 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 14 मार्च 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

मोहाली में 'प्रोग्रेसिव पंजाब इन्वेस्टर्स समिट 2026' का आगाज, निवेश और रोजगार पर जोर

पंजाब। प्रोग्रेसिव पंजाब इन्वेस्टर्स समिट 2026 का शुक्रवार को मोहाली में भव्य आगाज हुआ। तीन दिवसीय इस निवेश सम्मेलन का उद्घाटन अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने किया। पंजाब सरकार इस समिट को राज्य में बड़े निवेश

को आकर्षित करने और आर्थिक विकास को गति देने की दिशा में अहम पहल मान रही है। 13 से 15 मार्च तक चलने वाले इस सम्मेलन में यूनाइटेड किंगडम (यूनाइटेड किंगडम), जापान और दक्षिण कोरिया समेत कई देशों के प्रतिनिधि और नामचीन उद्योगपति हिस्सा ले रहे हैं। सरकार का लक्ष्य उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना और पंजाब को निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बनाना है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर समिट की शुरुआत को लेकर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि गुरुओं-पीरों की पावन धरती पर देश-दुनिया से आए उद्योगपतियों का पंजाब में हार्दिक स्वागत है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में निवेश बढ़ाने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विश्व प्रसिद्ध इस्पात कंपनी आर्सेलर मित्तल के कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मी एन. मित्तल से मुलाकात कर पंजाब में संभावित निवेश को लेकर चर्चा की।गौरतलब है कि पंजाब सरकार ने हाल ही में राज्य में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नई औद्योगिक और व्यापार विकास नीति-2026 भी लागू की है। लुधियाना में शुरू की गई इस नीति का उद्देश्य बड़े निवेश को आकर्षित करना, औद्योगिक विस्तार को गति देना और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना है। सरकार को उम्मीद है कि इन्वेस्टर्स समिट और नई औद्योगिक नीति के जरिए पंजाब आर्थिक विकास की नई राह पर आगे बढ़ेगा और 'रंगला पंजाब' के लक्ष्य को साकार करने में मदद मिलेगी।

● अविश्वास प्रस्ताव पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा

लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष जरूरी, नेता प्रतिपक्ष को कभी नहीं रोका; नियम सबसे ऊपर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर दो दिनों तक चली चर्चा के बाद स्पीकर ओम बिरला पहली बार आसन पर पहुंचे और सदन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष जरूरी है और किसी भी नेता, यहां तक कि प्रधानमंत्री भी, संसद के नियमों से ऊपर नहीं हैं।लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद आज पहली बार आसन पर आए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष का होना अत्यंत आवश्यक है और नेता प्रतिपक्ष को कभी नहीं रोका गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संसद के नियम सर्वोपरि हैं और कोई भी व्यक्ति नियम से ऊपर नहीं है, चाहे वह प्रधानमंत्री ही क्यों न हों।

चुनाव आयुक्त के पद से हटाए जा सकेंगे ज्ञानेश कुमार?

● 200 से अधिक सांसदों ने नोटिस पर किए हस्ताक्षर, क्या है नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए 200 से अधिक सांसदों ने एक नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे कल संसद के किसी एक सदन को सौंपा जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, विपक्षी नेताओं ने कुमार पर सात आरोप लगाए गए हैं। लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने एक नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की गई है। एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

पूरी तरह बदलने वाला है आरएसएस

● प्रांत प्रचारक पद खत्म होगा, यूपी चुनाव में पहला टेस्ट, ऐसा हो सकता है नया स्ट्रक्चर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 40 लाख सदस्य और 83 हजार से ज्यादा शाखाओं वाला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव करने वाला है। इसके मुताबिक अब अलग-अलग प्रांत प्रचारकों की जगह एक राज्य प्रचारक होगा। क्षेत्र प्रचारकों की संख्या भी कम होगी। जिला, तहसील, ब्लॉक और गांवों तक कार्यकर्ताओं को ज्यादा अधिकार मिलेंगे। बदलाव का प्रस्ताव हरियाणा में पानीपत के समालखा गांव में 13, 14 और 15 मार्च को होने वाली बैठक में पेश होगा।

इसकी जरूरत क्यों पड़ी? –इसका जवाब बैठक के आयोजकों में से एक आरएसएस के पदाधिकारी देते हैं। वे कहते हैं, दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन को पहले से ज्यादा टारगेट और रिजल्ट ओरिएंटेड बनाने के लिए ये बदलाव जरूरी हैं। ये एक तरह से डिसेंट्रलाइजेशन है। संघ की ताकत बिल्कुल निचले स्तर तक पहुंचाने और देश के हर व्यक्ति तक संघ की

पहुंच बनाने की प्रक्रिया है। सोर्स के मुताबिक, बैठक में सभी सुझावों के साथ एक प्रस्ताव बनेगा, जिसे सितंबर 2026 की बैठक में पारित किया जाएगा। फिर जनवरी-फरवरी 2027 तक सभी जगह लागू किया जाएगा।

100 साल में दूसरी बार इतना बड़ा बदलाव

क्या इतना बड़ा बदलाव पहली बार हो रहा है? : सोर्स ने जवाब दिया, बदलाव तो संघ में होते रहे हैं, लेकिन इतना बड़ा बदलाव दूसरी बार है। पहली बार 1949 में हुआ था, जब संघ ने लिखित संविधान बनाकर सरकार को सौंपा था। उसी वक्त संघ ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को भी स्वीकार किया था। उस वक्त ढांचे और काम करने के तरीकों में भी कई बड़े बदलाव किए गए थे। उसके बाद बड़ा बदलाव ड्रेस में किया गया, लेकिन ढांचे में कुछ खास नहीं बदला गया था। पिछले 4 साल से इसी बदलाव के लिए चर्चा चल रही थी, जो अब ठोस रूप में आ गई है।

संघ की रीढ़ प्रांत प्रचारक व्यवस्था खत्म होगी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अंदर अब तक राज्य कोई इकाई नहीं थी। बड़े राज्य कई प्रांतों में बंटे हैं। इनके प्रांत प्रचारक जमीनी और शीर्ष कार्यकर्ताओं के बीच कड़ी का काम करते थे। अब नए स्ट्रक्चर में प्रांत प्रचारकों की जगह राज्य प्रचारक होंगे। अभी देशभर में करीब 45 प्रांत प्रचारक हैं। नए बदलाव को उत्तर प्रदेश के जरिए समझिए। यहां अभी 6 प्रांत हैं।

- ब्रज– मथुरा, आगरा, अलीगढ़
- अवध– लखनऊ, अयोध्या, बाराबंकी
- मेरठ– पश्चिमी यूपी का हिस्सा (मेरठ, सहारनपुर)
- कानपुर– कानपुर, फतेहपुर
- काशी– वाराणसी, आजमगढ़, मिर्जापुर
- गोरक्ष–गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर

हर प्रांत में प्रचारक होता है। अब उनकी जगह एक राज्य प्रचारक होगा। यानी 6 प्रांत प्रचारक की बजाय सिर्फ एक राज्य प्रचारक होगा। इसके ऊपर क्षेत्र प्रचारक बने रहेंगे।

● भारत के लिए क्या खुल गया होर्मुज?

तेल टैंकर मुंबई पहुंचा

भारत और ईरान की 3 दिनों से हो रही थी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर आया लाइबेरियाई ध्वज वाला टैंकर ईरान की अनुमति से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर सुरक्षित रूप से मुंबई पोर्ट पहुंच गया। भारत सरकार क्षेत्र में मौजूद भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षा पर लगातार नजर रखे हुए है। दो टैंकर आने के बाद क्या भारत के लिए होर्मुज को ईरान ने खोल दिया है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच एक लाइबेरियाई ध्वज वाला कच्चे तेल का टैंकर, जिसकी कमान एक भारतीय कप्तान के हाथ में थी, रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर सुरक्षित रूप से मुंबई बंदरगाह पहुंच गया। मीडिया सूत्रों के अनुसार यह टैंकर सऊदी अरब के रास तनुरा बंदरगाह से कच्चा तेल लेकर आया था।

ईरान की अनुमति के बाद जलडमरूमध्य से गुजरा टैंकर– अधिकारियों के अनुसार टैंकर ने सफलतापूर्वक होर्मुज जलडमरूमध्य को पार किया, जो फारस की खाड़ी को वैश्विक बाजारों से जोड़ने वाला बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। हाल के सैन्य घटनाक्रमों के बाद इस क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही पर सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं, ऐसे में टैंकर का सुरक्षित गुजरना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारतीय नागरिकों की भी मदद कर रहे: जायसवाल

केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम एशिया में संकट के बीच भारत की ईरान से तीन बार बातचीत हुई है। हालांकि बातचीत को लेकर क्या नतीजा निकला, इसके बारे में कोई ठोस जानकारी साझा नहीं की गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने

बताया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर की ईरान के विदेश मंत्री के बीच हाल के दिनों में तीन बार बातचीत हुई है। पिछली बातचीत में जहाजों की सुरक्षा, भारती ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ें मुद्दों पर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा उनके लिए अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। रणधीर जायसवाल ने कहा, हम उन भारतीय नागरिकों की भी मदद कर रहे हैं जो अजरबैजान और आर्मेनिया जाना चाहते हैं और वहां से कमर्शियल फ्लाइट्स लेकर घर लौटना चाहते हैं। हम उन्हें वीजा दिलाने में मदद कर रहे हैं।

● पीएम मोदी का कांग्रेस पर तीखा हमला

बोले – घुसपैठियों को जमीन देकर देश की सुरक्षा से किया खिलवाड़

नई दिल्ली । असम विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के कोकराझार जिले में 4,570 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की डिजिटल रूप से शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने स्वदेशी लोगों की जमीन घुसपैठियों को सौंपकर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि आगामी चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाएं और यह स्पष्ट संदेश दें कि घुसपैठियों के लिए यहां कोई जगह नहीं है।

लोगों ने कांग्रेस को खदेड़ा: पीएम मोदी

रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "जब आपने देश और असम दोनों जगह से कांग्रेस को खदेड़ा और बीजेपी-एनडीए को अवसर दिया, तो हमने ईमानदारी से प्रयास शुरू किए। कांग्रेस जहां अपनी स्वार्थी राजनीति के लिए अलग-अलग समुदायों में फूट डाल देती थी, वहीं बीजेपी ने स्थायी शांति के लिए काम किया। इसी सोच के साथ बोडो शांति समझौता किया गया।"

असम शांति का नया अध्याय लिख रहा: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समझौते में पहली बार सभी प्रमुख संगठनों और समूहों को एक साथ लाया गया। बोडोलैंड की कई पीढ़ियों को कांग्रेस ने झूठे सपनों में उलझाए रखा। दिल्ली में बैठी कांग्रेस की सरकारों ने सिर्फ दिखावे के लिए कागजी समझौते किए। कोकराझार सहित पूरे क्षेत्र ने बीते दशकों में काफी कुछ सहा और खोया है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब इन पहाड़ियों में बम और बंदूकों की आवाज गूंजती थी, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। आज बोडोलैंड शांति और विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है और असम शांति व विकास का नया अध्याय लिख रहा है।

कांग्रेस झूठे वादों की दुकान: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस झूठे वादों की दुकान है और एक झूठे वादे के साथ चार और झूठ गिफ्ट में देती है, क्योंकि उन वादों को पूरा करने का उसका इरादा ही नहीं होता। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर बीजेपी-एनडीए का मॉडल लोगों के सामने है। डबल इंजन सरकार ने जो भी वादा किया, उसे पूरा करने की ईमानदार कोशिश की है। असम की विरासत के संरक्षण और तेज विकास के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

भारत पर फिर से टैरिफ लगाने की तैयारी में अमेरिका

● 16 बिजनेस पार्टनर्स के खिलाफ जांच शुरू, अनुचित व्यापार के सबूत मिले तो भारी टैक्स लगेगा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने भारत और चीन समेत अपने 16 प्रमुख ट्रेडिंग पार्टनर्स के खिलाफ 'सेक्शन 301' के तहत नई जांच शुरू कर दी है। 'सेक्शन 301' अमेरिका को उन देशों पर एकतरफा टैक्स बढ़ाने की शक्ति देता है, जो उसकी कंपनियों को नुकसान पहुंच रहे हो। पिछले महीने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरिफ को अवैध बताने के बाद, प्रशासन अब नए कानूनी रास्तों से टैरिफ का दबाव वापस बनाने की तैयारी में है। यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जेमिसन ग्रीर के मुताबिक, इस जांच के कारण इस साल गर्मियों तक भारत, चीन, यूरोपीय संघ और मैक्सिको जैसे देशों पर नए टैरिफ लगाए जा सकते हैं।

अमेरिका ने किन देशों के खिलाफ जांच शुरू की है?

ट्रम्प प्रशासन ने कुल 16 ट्रेडिंग पार्टनर्स के खिलाफ जांच शुरू की है। इनमें भारत, चीन, यूरोपीय संघ (ईयू), जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, वियतनाम, ताइवान, थाईलैंड, मलेशिया, कंबोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, स्विट्जरलैंड और नॉर्वे शामिल हैं।

● संसद में बोले केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी

देश में अभी पर्याप्त पेट्रोल-डीजल और गैस लंबे समय तक हालात से निपटने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एलपीजी संकट पर लोकसभा में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत 40 देशों से क्रूड ऑयल ले रहा है। गैस-सिलेंडर पर पैनिक होने की कोई बात नहीं है।

हरदीप सिंह पुरी ने लोकसभा में वेस्ट एशिया संकट पर कहा कि एनर्जी के इतिहास में दुनिया ने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। होर्मुज स्ट्रेट को इतिहास में पहली बार कमर्शियल शिपिंग के लिए बंद कर

दिया गया। संघर्ष पैदा करने में कोई भूमिका नहीं है, भारत को इसके नतीजों से निपटना होगा। भारत की क्रूड ऑयल सप्लाई की स्थिति सुरक्षित है।

● संकट से निपटने सरकार के जरूरी 5 कदम

- **हाई-लेवल कमेटी बनाई**– संकट को देखते हुए एक हाई-लेवल कमेटी बनाई है, जो सप्लाई की समीक्षा करेगी।
- **एसेंशियल कमोडिटी एक्ट लागू**– गैस की सप्लाई को कंट्रोल करने के लिए केंद्र सरकार ने देशभर में 'एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955' लागू कर दिया है।
- **25 दिन बाद होगी एलपीजी बुकिंग**: घरेलू सिलेंडर की बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। दूसरा सिलेंडर 25 दिन बाद ही बुक होगा।
- ओटीपी और बायोमेट्रिक अनिवार्य
- एलजीपी उत्पादन बढ़ाने का आदेश

ऊर्जा संकट पर बहस

लोकसभा में गुरुवार को ईरान-इस्राइल युद्ध के चलते पैदा हुए उर्जा संकट पर राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने ईरान युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद है। देश में एलपीजी को लेकर संकट है। स्ट्रीट वेंडर्स पर ज्यादा प्रभाव पड़ा है।

वहीं एपस्टीन का नाम लेते ही संसद में हंगामा हो गया। अमेरिका कौन होता है हमें यह बताने वाला कि हम किससे तेल खरीदेंगे, किससे गैस खरीदेंगे? छोटे व्यापारी परेशान हो रहे हैं।

आपदा प्रभावित राज्यों को 1,912 करोड़ की अतिरिक्त सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित राज्यों को राहत देने के लिए 1,912.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता देने का फैसला किया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में बनी उच्चस्तरीय समिति ने वर्ष 2025 के दौरान आई बाढ़, अचानक आई बाढ़, बादल फटने, भूस्खलन और चक्रवाती तूफान 'मोंथा' से प्रभावित छह राज्यों के लिए इस सहायता को मंजूरी दी है। यह राशि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष से दी जाएगी। गृह मंत्रालय के अनुसार आंध्र प्रदेश को 341.48 करोड़ रुपये, छत्तीसगढ़ को 15.70 करोड़

रुपये, गुजरात को 778.67 करोड़ रुपये, हिमाचल प्रदेश को 288.39 करोड़ रुपये, नगालैंड को 158.41 करोड़ रुपये और केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को 330.34 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। यह राशि राज्यों के राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष में पहले से उपलब्ध वर्ष की शुरुआती राशि के 50 प्रतिशत समायोजन के आधार पर दी जाएगी। केंद्र सरकार का कहना है कि प्राकृतिक आपदाओं के समय वह राज्यों के साथ मजबूती से खड़ी रहती है और हर संभव मदद उपलब्ध कराती है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान केंद्र सरकार ने राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के तहत 28 राज्यों को 20,735.20 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष के तहत 21 राज्यों को 3,628.18 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसके अलावा राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष और राष्ट्रीय आपदा शमन कोष से भी कई राज्यों को बड़ी सहायता दी गई है।

देशभर की रसोई में पहुंचा पश्चिम एशिया का बढ़ता तनाव?

● रोटी-डोसा रेस्तरां के मेन्यू से गायब, चाय की जगह नींबू पानी ● एलपीजी की किल्लत बढ़ी, एजेंसी के बाहर लंबी लाइनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया के युद्ध के कारण भारत में एलपीजी रसोई गैस की किल्लत चर्चा में है। हालांकि, सरकार ने दावा किया है कि ऐसी कोई बात नहीं है और अब भी ढाई दिनों के भीतर घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस सिलिंडर मिले, इसे सुनिश्चित किया जा रहा है। हालांकि, होटलों और रेस्तरां की बात करें तो जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। कई शहरों के रेस्तरां के मेन्यू से रोटी-डोसा जैसी बुनियादी चीजें गायब होने की खबर है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने भारत में वाणिज्यिक रसोई गैस का भारी संकट पैदा कर दिया है। हालात इतने गंभीर हैं कि मुंबई, बंगलूरू, चेन्नई और दिल्ली-एनसीआर में बड़े पैमाने पर होटल और रेस्तरा कमर्शियल गैस सिलिंडर की आपूर्ति प्रभावित होने से संकट में हैं। कई जगहों पर मेन्यू छोटे किए जा रहे हैं। खाना पकाने वाली गैस की सप्लाई घटने से राशनिंग की नौबत आ गई है।

रूस से 3 करोड़ बैरल कच्चा तेल खरीदेगा भारत

ईरान-इजराइल में जारी जंग के बीच स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज रूट बंद हो गया है। ऐसे में कच्चे तेल की सप्लाई बंद होने के बाद भारत करीब 3 करोड़ बैरल कच्चा तेल रूस से खरीदेगा। वहीं जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो रही है। गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों पर लंबी लाइनें लगी हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

बढ़ेंगी हमारी मुश्किलें

'समरथ को नहिं दोष गुसाईं' उक्ति की तर्ज पर ईरान पर हुए अमेरिकी-इस्राइली हमले को पश्चिमी देशों द्वारा तार्किक बताया जा रहा है। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामेनेई तथा उनके परिजनों समेत कई लोगों की मौत को किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। यह समय वैश्विक कानून-व्यवस्था के भंग होने और अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों के सिरे चढ़ने का है। जब से ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने वैश्विक संप्रभुता और संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया की तमाम नियामक संस्थाओं को बेबस बना दिया है। वेनेजुएला में हमला करके राष्ट्रपति निकोलेस मादुरो को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाने के बाद अब खामेनेई की परिवार समेत हत्या ने दर्शा दिया है कि दुनिया फिर जंगल-राज की तरफ बढ़ रही है। शक्ति बंदूक की नोक से निकलती दिख रही है। छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता संकट में है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण, वेनेजुएला व ईरान पर अमेरिकी हमला बता रहा है कि आने वाले दिनों में ताइवान जैसे अन्य संकटग्रस्त देशों के सामने अस्तित्व बनाये रखने की चुनौती होगी। पूरी दुनिया में आपूर्ति शृंखला में आये व्यवधान तथा ट्रंप के टैरिफ आतंकवाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले ही चरमरा रही है। रोजगार के अवसर कम हुए हैं और लोगों को भारी महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। ईरान पर अमेरिका-इस्राइल के हमले की प्रतिक्रिया मध्यपूर्व के अलावा पश्चिमी देशों में आने वाले समय में दिखाई देगी। जिसकी असली कीमत मानवता को ही चुकानी होगी।

निस्संदेह, आने वाले दिनों में भारत को ईरान-अमेरिकी संघर्ष की कीमत चुकानी होगी। इससे भारत की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। भारत के लिये मुश्किल यह भी है कि ईरान पर हमला प्रधानमंत्री की इस्राइल यात्रा के तुरंत बाद हुआ है। जिससे भारत के लिये मध्यपूर्व को लेकर विदेश नीति में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। इससे हार्मुज स्ट्रेट रूट से भारत को होने वाली कच्चे तेल की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर मध्यपूर्व में कार्यरत नब्बे लाख से अधिक भारतीयों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ेगा और उनके द्वारा भारत भेजी जाने वाली धनराशि भी प्रभावित होगी। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की पचास फीसदी आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट रूट से होती है। रूसी तेल खरीदने पर अमेरिकी दबाव के चलते भी इस रूट से भारतीय आपूर्ति बढ़ी है। इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने का सीधा असर भारत में कच्चे तेलों के दामों पर पड़ेगा। भविष्य में भारतीयों को तेल कीमतों में वृद्धि का सामना करना पड़ेगा। वहीं लाल सागर से होने वाली तेल आपूर्ति भी ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों की धमकी से प्रभावित होगी।

क्या प्राचीन काल में भी मुमकिन था 'टाइम ट्रेवल'? विज्ञान से पहले धर्मग्रंथों और लोककथाओं ने सुलझाई थी समय की गुत्थी

- हनुमान की तरह चीन में पूजे जाते हैं 'वानर राजा'; जापान से लेकर भारत और आयरलैंड तक, दुनिया भर के आख्यानों में मिलते हैं 'समय-यात्रा' के चौंकाने वाले सबूत

जयपुर | रॉयल पत्रिका डेस्कआधुनिक भौतिकी में अल्बर्ट आइंस्टीन के 'सापेक्षता के सिद्धांत' (Theory of Relativity) ने दुनिया को बताया कि समय स्थिर नहीं है और अलग-अलग लोकों या गति में इसकी चाल बदल सकती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आधुनिक विज्ञान के जन्म से हजारों साल पहले हमारे पूर्वजों को 'टाइम ट्रेवल' (समय-यात्रा) का गहरा ज्ञान था? दुनिया भर की प्राचीन लोककथाएं और धार्मिक ग्रंथ इस बात के गवाह हैं कि मनुष्य ने सदियों पहले ही समय के साथ 'लुका-छिपी' के खेल को समझ लिया था।भारत: ब्रह्मलोक की यात्रा और सदियों का फासलाभारतीय पुराणों में समय की गति के अंतर को बहुत बारीकी से समझाया गया है। राजा रैवत की कथा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। जब वे अपनी पुत्री के विवाह के योग्य वर की सलाह लेने उसे 'ब्रह्मलोक' ले गए, तो वहां बिताए कुछ क्षण धरती पर अनेक सदियों के बराबर निकले। जब वे वापस लौटे, तो सब कुछ बदल चुका था; न कोई उन्हें पहचानने वाला बचा था और न ही इंसानों का कद पहले जैसा रहा था। इसी तरह इंद्रद्युम्न की कथा में भी ब्रह्मलोक से लौटने पर धरती पर लाखों वर्ष बीत जाने का वर्णन मिलता है।हिमाचली लोककथाओं में तो एक चरवाहे और भगवान शिव के बीच हुए पासों के खेल का जिक्र है, जहाँ दोपहर भर का खेल खत्म कर जब चरवाहा घर लौटा, तो उसकी पत्नी बूढ़ी हो चुकी थी और वह खुद परदादा बन चुका था।चीन और जापान: वानर राजा और ड्रैगन पैलेस का रहस्यचीनी आख्यानों में वानर राजा (Sun Wukong) की कथा अत्यंत लोकप्रिय है, जिन्हें उनकी शक्तियों के कारण हनुमान जी का ही प्रतिरूप माना जाता है। वानर राजा अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच यात्रा करने में सक्षम थे। उन्होंने चिन राजवंश से लेकर मिंग सम्राटों के काल तक की यात्राएं कीं।वहीं जापान में उराशिमा तारो नामक मछुआरे की कहानी समय के मायाजाल को चुनौती देती है। वह एक कछुए के साथ समुद्र के भीतर 'ड्रैगन राज्य' गया, जहाँ उसने केवल कुछ घंटे बिताए, लेकिन धरती पर वापस आने पर उसे पता चला कि कई सदियां गुजर चुकी हैं। राजकुमारी द्वारा दी गई एक रहस्यमयी डिबिया खोलते ही वह क्षण भर में वृद्ध होकर काल का ग्रास बन गया।वैश्विक आख्यानों में 'टाइम ट्रेवल' के प्रमाणसंस्कृति/धर्मप्रमुख कथासमय का अंतर (Time Dilation)आयरलैंडवीर युवक ओशीन की कथाअश्व से उतरते ही सदियों का असर दिखा और वह वृद्ध हो गया।ईसाई परंपरासात शयनकर्ता (Seven Sleepers)गुफा में 300 साल सोने के बाद जागे, तो दुनिया बदल चुकी थी।इस्लामी आख्यानउजैर (Uzair) का पुनरुत्थानअल्लाह ने उन्हें 100 वर्ष की मृत्यु के बाद जीवित किया, उनका बेटा उनसे उम्र में बड़ा हो चुका था।इस्लामी और ईसाई परंपरा: मृत्यु और गहरी नींद के पारइस्लामी आख्यानों में उजैर नामक व्यक्ति का वर्णन है, जिन्हें अल्लाह ने 100 वर्ष बाद पुनर्जीवित कर यह दिखाया कि समय और जीवन-मृत्यु उसके नियंत्रण में हैं। जब वे अपने गांव लौटे, तो उनके अपने बेटे की आयु उनसे अधिक हो चुकी थी और केवल एक तिल के निशान से उनकी पहचान हो सकी। वहीं ईसाई परंपरा में 'सात शयनकर्ताओं' की कहानी प्रसिद्ध है, जो रोमन दमन से बचने के लिए एक गुफा में सोए और 300 साल बाद जागे तो पाया कि पूरी दुनिया अब ईसाई धर्म अपना चुकी है।निष्कर्ष: क्या हमें सावधान रहने का संकेत था?इन सभी कहानियों में एक समानता है—देवताओं या अलौकिक लोकों का समय इंसानी समय से कहीं अधिक तेज या धीमा होता है। आज का विज्ञान जिसे 'टाइम डाइलेशन' कहता है, उसे प्राचीन कथाकारों ने 'देवलोक' और 'मृत्युलोक' के अंतर से समझाया था।सवाल यह उठता है कि क्या ये कथाएं हमें केवल मनोरंजन के लिए सुनाई गई थीं, या फिर ये इस बात का संकेत थीं कि अलौकिक शक्तियों या अज्ञात लोकों से संपर्क करने की एक भारी कीमत 'समय' के रूप में चुकानी पड़ सकती है? क्या उन गैर-मानवीय लोकों से दूरी बनाए रखना ही इंसानी बुद्धिमानी है?

दिवस विशेष

अरविंद जयतिलक

अनिद्रा से बिगड़ता स्वास्थ्य

आज विश्व निद्रा दिवस है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में नींद के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। मानव स्वास्थ्य व सेहत के लिए पर्याप्त निद्रा बेहद आवश्यक है। याद होगा कि गत वर्ष पहले फिलिप्स वार्षिक वैश्विक सर्वेक्षण की रिपोर्ट से उद्घाटित हुआ था कि दुनिया भर में तकरीबन 10 करोड़ लोग अनिद्रा की बीमारी से ग्रसित हैं। दुनिया के 13 देशों (संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, पोलैंड, फ्रांस, भारत, चीन आस्टलिया, कोलंबिया, अर्जेंटीना, मैक्सिको, ब्राजील और जापान) के 15 हजार से अधिक व्यस्कों पर किए गए इस सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया कि 80 प्रतिशत से अधिक लोग अनिद्रा बीमारी से अनभिज्ञ हैं जबकि 30 प्रतिशत लोग नींद लेने और उसे बनाए रखने में दिक्कत महसूस करते हैं। इस रिपोर्ट से यह भी उद्घाटित हुआ था कि देश की राजधनी दिल्ली में 67 प्रतिशत, कोलकाता में 60 प्रतिशत, बेंगलुरु में 59 प्रतिशत तथा चेन्नई 58 प्रतिशत लोग अनिद्रा के शिकार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में तकरीबन 19 प्रतिशत वयस्कों ने स्वीकार किया कि सामान्य नींद के समय के साथ काम के घंटों का अतिव्यापित होना अनिद्रा का एक प्रमुख कारण है। इसी तरह 32 प्रतिशत वयस्कों ने स्वीकार किया कि प्रौद्योगिकी भी एक प्रमुख नींद विकर्षण है। अमेरिका की राष्ट्रीय निद्रा फाउंडेशन के मुताबिक 30-40 प्रतिशत अमेरिकी वयस्कों का कहना है कि उनमें अनिद्रा के लक्षण हैं। चिकित्सकों का कहना है कि अनिद्रा के कारण कई तरह की बीमारियां पनपती हैं और जीवन प्रत्याशा कम होने की भी संभावना बढ़ जाती है। 16 अध्ययनों के एक विश्लेषण में 10 लाख से अधिक प्रतिभागियों और 112,566 मौतों के अंतर्गत नींद की अवधि और मृत्युदर के बीच के संबंधों की जांच में पाया गया कि जो लोग रात में सात से आठ घंटे सोते थे, उनकी तुलना में कम सोने वाले व्यक्तियों में मृत्यु का खतरा 12 प्रतिशत ज्यादा होता है। हाल ही में एक अन्य अध्ययन में 38 सालों से सतत निद्रा और मृत्यु दर के प्रभावों की जांच में पाया गया है कि सतत अनिद्रा से ग्रसित लोगों की मौत का जोखिम 97 प्रतिशत अधिक होता है। अनिद्रा का दुष्परिणाम यह होता है कि व्यक्ति में हीनता बढ़ती है और उसकी याददाश्त कमजोर पड़ने लगती है। उसमें चिड़चिड़ापन इस हद तक बढ़ जाता है कि वह सामाजिक रूप से मिलना-जुलना बंद कर देता है। साथ ही थके होने और पर्याप्त नींद न लेने के कारण वाहन दुर्घटनाओं की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। भारत की बात करें तो यहां 66 प्रतिशत लोगों ने स्वीकार किया है कि अनिद्रा के कारण उनका स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती प्रभावित होने के साथ-साथ मानसिक अवसाद बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही खुलासा कर चुका है कि भारत में मानसिक अवसाद के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं जिनके कई कारणों में से एक कारण अनिद्रा भी है। गत वर्ष पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी शीर्षक 'डिप्रेशन एवं अन्य सामान्य मानसिक विकार-वैश्विक स्वास्थ्य आकलन' रिपोर्ट में कहा जा चुका है कि अन्य देशों के मुकाबले भारत और चीन अवसाद से बुरी तरह प्रभावित हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण पूर्व एशिया और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में मानसिक अवसाद से ग्रस्त लोगों की संख्या सर्वाधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में अवसाद से प्रभावित लोगों की कुल संख्या 32.2 करोड़ है, जिसमें 50 प्रतिशत सिर्फ भारत और चीन में ही हैं। इस रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि अवसाद के अलावा भारत और चीन में चिंता भी बड़ी समस्या है। भारत एवं अन्य मध्य आय वाले देशों में आत्महत्या के सबसे बड़े कारणों में से एक चिंता भी है। देश में बढ़ते अवसाद को ध्यान में रखकर ही केंद्र सरकार द्वारा संसद में मानसिक स्वास्थ्य देखरेख विधेयक पर मुहर लगाई जा चुकी है। इसमें मानसिक अवसाद से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य देखरेख एवं सेवाएं प्रदान करने एवं ऐसे व्यक्तियों के अधिकारों का संरक्षण करने का प्रावधान है। चूंकि भारत अशक्त लोगों के अधिकारों के संबंध में संयुक्त राष्ट्र संधि का हस्ताक्षरकर्ता है लिहाजा उसकी जिम्मेदारी भी थी कि वह इस प्रकार के प्रभावी कानून गढ़ने की दिशा में आगे बढ़े। भारत ने इस दिशा में कदम बढ़ा सामुदायिक स्तर पर अधिकतम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की रचनात्मक और स्वागत योग्य पहल तेज कर दी है। अच्छी बात यह है कि दुनिया भर में 77 प्रतिशत लोगों ने अवसाद और बिगड़ते स्वास्थ्य से उबरने के लिए अपनी नींद में सुधार की कोशिश की है। भारत में 45 प्रतिशत वयस्कों ने ध्यान और योग करने की कोशिश की है, जबकि 24 प्रतिशत लोगों ने अच्छी नींद लेने और उसे बनाए रखने के लिए विशेष बिस्तर को अपनाया है। उचित होगा कि सरकार और स्वयंसेवी संस्थाएं कुछ इस तरह के कार्यक्रम गढ़ें, जिससे कि लोगों में अच्छी नींद के प्रति जागरूकता बढ़े और वे संतुलित दिनचर्या के प्रति आकर्षित हों।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जहां भी खोजोगे वहां तुम प्रीतितत्व को ही पाओगे

संकलित

दर्शन

कोई आदमी धन कमाने में लगा है, धन तो ऊपर की बात है, भीतर तो प्रीति से ही जी रहा है, धन से उसकी प्रीति है। कोई आदमी पद के पीछे पागल है, पद तो गौण है, प्रतिष्ठा की प्रीति है। जहां भी खोजोगे, तो तुम प्रीति को ही पाओगे। पापी में और पुण्यात्मा में, तुम एक ही तत्त्व को एक साथ पाओगे, वह तत्त्व प्रीति है। फिर प्रीति किससे लग गई, उससे भेद पड़ता है। धन से लग गई तो तुम धन ही होकर रह जाते हो। ठीकरे हो जाते हो। कागज के सड़े-गले नोट होकर मरते हो। जिससे प्रीति लगी, वही हो जाओगे। यह बड़ा बुनियादी सत्य है, इसे हृदय में संभाल कर रखना। प्रीति महंगा सौदा है, हर किसी से मत लगा लेना। जिससे लगाई वैसे ही हो जाओगे। वैसा होना हो तो ही लगाना। प्रीति का अर्थ ही यही होता है कि मैं यह होना चाहता हूं। राजनेता गांव में आया और तुम भीड़ करके पहुंच गए, फूलमालाएं सजा कर, किस बात की खबर है? कोई संगीत सुनता है तो धीरे-धीरे उसकी चेतना में संगीत की छाया पडने लगती है। तुम जिससे प्रीति करोगे वैसे हो जाओगे, जिनसे प्रीति करोगे वैसे हो जाओगे। तो प्रीति का तत्त्व रूपांतरकारी है। प्रीति का तत्त्व भीतरी रसायन है। और बिना प्रीति के कोई भी नहीं रह सकता। प्रीति ऐसी अनिवार्य है जैसे श्वास। जैसे शरीर श्वास से जीता, आत्मा प्रीति से जीती। इसलिए अगर तुम्हारे जीवन में कोई प्रीति न हो, तो तुम आत्महत्या करने को उतारू हो जाओगे। या कभी तुम्हारी प्रीति का सेतु टूट जाए, तो आत्महत्या करने को उतारू हो जाओगे।

गुरु की संगति से ही पाया जा सकता है परमात्मा

संकलित

प्रेरणा

जिसने परमात्मा को प्राप्त कर लिया, तो समझो उसने सब कुछ प्राप्त कर लिया। इसके लिए प्राप्ति के लिए अब शेष कुछ नहीं रह जाता। अब जिन्होंने परमात्मा को नहीं पाया उन्होंने कुछ भी नहीं पाया, लेकिन यह बात ध्यान में रहे कि परमात्मा पाया जाता है गुरु प्रताप साध की संगति से और कोई उपाय नहीं। अद्वैत भाव एक परम गुण है। अद्वैत भाव कुछ ऐसी कला है, जिसमें थकान नहीं है मानो हम जहां भी देखें, चाहे जर्रा हो, चाहे पत्ते हों,चाहे चंदन के पेड़ हों, चाहे पत्थर हों,चाहे गंगा का जल हो, सूरज का तेज हो, चांद की शीतलता हो,कलियों की कोमलता हो, फूलों का सौंदर्य हो, जहां भी नजर डालो सद्गुरु की कृपा से अपनी आंखों से इन सभी से जल्दी से पर्दा हटा कर इसको देख लें। फिर धीरे-धीरे हमारी आंखें ही पर्दा उठाने की कला सीख जाएंगी और फिर ऐसा समय भी आएगा जब हमें पर्दा उठाना ही नहीं पड़ेगा, केवल नजर पड़ी और हम पर्दे के पार देखने लगे, क्योंकि अब हमें ज्ञान हो गया है कि सब जगह बस ईश्वर, परमात्मा की ही छवि विराजमान है। अपेक्षा जहां है वहीं दुःख की भी संभवना है और जहां अपेक्षा नहीं है, वहां विषाद का कोई खतरा नहीं है। अतः जिनसे मनुष्य को अपेक्षा है कि उसे प्रीति मिलेगी पत्थर नहीं,उनसे यदि फूल भी फेंका गया, तो घाव का एहसास होगा ही। घाव फूल के कारण नहीं लगता फूल बेचारा कैसे घाव लगा सकता है? घाव लगता मनुष्य की अपेक्षा से और जितनी बड़ी अपेक्षा होगी,घाव भी उतना ही गहरा मिलेगा।

इनफिनिटी मिरर्ड रूम

कोलोन, जर्मनी के म्यूजियम लुडविग में गुरुवार को मशहूर जापानी आर्टिस्ट यायोई कुसामा की नई बड़ी एग्जिबिशन के प्रीव्यू के दौरान लोग आर्टवर्क इनफिनिटी मिरर्ड रूम में घूमते हुए लोग।

आज की पाती

असंगठित बल को संगठित करने की पहल

हमारे देश में संगठित क्षेत्र में औपचारिक रूप से पंजीकृत वो व्यवसाय आते हैं, जो श्रम कानूनों का पालन करते हैं, नौकरी की सुरक्षा और सामाजिक लाभ प्रदान करते हैं। जबकि असंगठित क्षेत्र में अनौपचारिक व्यवसाय शामिल हैं, जिनमें बहुत कम या कोई विनियमन नहीं है, अक्सर नौकरी की सुरक्षा, लाभ और कानूनी सुरक्षा का अभाव रहता है। असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2008 के अंतर्गत घरों में काम करने वाले श्रमिक, स्व-नियोजित श्रमिक या असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करने वाले श्रमिक असंगठित क्षेत्र के दायरे में आते हैं। संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए कई अधिनियम लागू किए जा चुके हैं। असंगठित क्षेत्रों के श्रमिकों के आंकड़े एकत्रित करने और उनके नि:शुल्क पंजीकरण के लिए प्रयास हुए हैं।

-विनय कुमार साहू, रायपुर

X ट्रेंड f

सबको बोलने का अवसर

प्रतिपक्ष के सदस्यों को आवंटित समय से अधिक बोलने का अवसर मिला है। मेरी हमेशा कोशिश रहती है कि चाहे देर रात्रि तक बैठना पड़े, लेकिन हर सदस्य को बोलने का अवसर मिले। कोई भी सदस्य जो बोलना चाहते हों, और मैंने अवसर नहीं दिया, ऐसा एक भी उदाहरण नहीं है।

- ओम बिरला, लोस अध्यक्ष

अविश्वास प्रस्ताव नहीं

हम भी विपक्ष में रहे हैं, तीन बार लोकसभा के स्पीकर पर अविश्वास का प्रस्ताव आया, मगर भारतीय जनता पार्टी और एनडीए विपक्ष में रहते हुए कभी लोकसभा स्पीकर पर अविश्वास का प्रस्ताव नहीं लाए।

-गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय पर्यटन मंत्री

विकास बजट जारी

विकसित दिल्ली का संकल्प तभी साकार होगा, जब दिल्ली की हर विधानसभा में विकास की समान गति दिखाई दे। इसी लक्ष्य के साथ हर विधानसभा के लिए विशेष विकास बजट जारी किया जा रहा है, ताकि सड़क, पानी, स्वच्छता, आदि नागरिक सुविधाओं के कार्य तेजी से पूरे हो सकें।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

घरेलू गैस की किल्लत

जब देश भारी संकट से जूझ रहा होता है तो प्रधानमंत्री मोदी चुनावी दौरों में मशगूल होते हैं। देशभर में घरेलू गैस की भारी कमी है। अनेक छोटे-बड़े उद्योग भाजपा की विफलता का खामियाजा भुगतने पर मजबूर हैं। पर सरकार के पास कोई जवाब नहीं।

- मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

पाक किसका, जो कर्ज दे उसका सऊदी अरब पहुंचे शहबाज

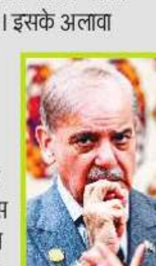

पाकिस्तान के रुख को लेकर माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने सिर्फ अपने कर्ज के हित को देखते हुए सऊदी अरब का साथ दिया है। इसके अलावा शिया और सुन्नी वाला विवाद भी अहम है। पाक नहीं चाहता कि वह शिया मुल्क ईरान के साथ बहुत ज्यादा दिखे, जबकि सुन्नी देश सऊदी अरब के साथ रहना आंतरिक राजनीति में भी फायदा देगा। पाकिस्तान अकसर इस्लामिक एकता की बातें करता है। अब जबकि ईरान पर अमेरिका और इजरायल ने हमले किए हैं तो इस संघर्ष में सऊदी अरब भी अमेरिकी पाले में है। ऐसे हालात में पाकिस्तान ने इस्लामिक एकता की कोई दुहाई नहीं दी है और सीधे तौर पर सऊदी अरब के साथ दिख रहा है। यहां उसने ना तो सऊदी अरब को इस्लामिक एकता की सीख दी और ना ही ईरान से समझौते की अपील की। उसने सीधे तौर पर सऊदी अरब का साथ दिया है और पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ खुद ही इस्लामिक मुल्क पहुंच गए हैं। इससे पहले पाकिस्तान ने सऊदी अरब की सुरक्षा चिंता पर बात की थी। उसके इस रुख को लेकर माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने सिर्फ अपने कर्ज के हित को देखते हुए सऊदी अरब का साथ दिया है। इसके अलावा शिया और सुन्नी वाला विवाद भी अहम है।

ऑफ बीट

ऋषिकेश स्थित श्रीलक्ष्मण मंदिर का अद्भुत माहात्म्य

हिमालय की पावन गोद में अवस्थित ऋषिकेश का तपोवन क्षेत्र केवल एक भौगोलिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक चेतना का जीवंत केंद्र है। उत्तराखंड में गंगा के पावन पश्चिमी तट पर स्थित लक्ष्मण झूला और समीपस्थ श्रीलक्ष्मण मंदिर का माहात्म्य पुराणों में अत्यंत श्रद्धा और गौरव के साथ वर्णित है। 'ते वै रघुवरश्रेष्ठा भाग्यवन्तो भवन्ति हि' अर्थात जो भक्त तपोवन में आकर लक्ष्मण जी को प्रणाम करते हैं, वे वास्तव में भाग्यवान होते हैं, यह उद्घोष इस क्षेत्र की आध्यात्मिक गरिमा को स्पष्ट करता है। स्कंद पुराण के अनुसार, भगवान स्कंद ने नारद जी से कहा कि यद्यपि अनेक तीर्थ ऐसे हैं, जिनके स्मरण मात्र से पापों का क्षय हो जाता है तथापि ऋषिकेश स्थित तपोवन एक ऐसा दिव्य क्षेत्र है जो मानो मुक्ति का खुला द्वार है। यहां विधिपूर्वक श्राद्ध करने से पितृगण सदा तृप्त रहते हैं। सौमित्रि तीर्थ, जिसे लक्ष्मण तीर्थ भी कहा जाता है, में स्नान करने से वाजपेय यज्ञ के तुल्य फल की प्राप्ति होती है। आगे शिव तीर्थों में स्नान करने वाला भक्त शिवलोक और ब्रह्मलोक को प्राप्त होता है। इस प्रकार तपोवन केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि लोक और परलोक के कल्याण का सेतु है। यह तीर्थ हमें सिखाता है कि भक्ति, तप और विनम्रता से ही मनुष्य अपने दोषों से मुक्त होकर परम शांति को प्राप्त कर सकता है।

हमारी सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध- भजनलाल शर्मा

- विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं से मुख्यमंत्री ने किया संवाद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिला केवल परिवार ही नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र को सशक्त करने की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान का संकल्प महिलाओं के योगदान के बिना पूरा नहीं हो सकता। महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन पर कार्य करते हुए हमारी सरकार जन कल्याणकारी योजनाओं के जरिए इसी विकास यात्रा को सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निवास पर महिला स्टार्टअप एन्टरप्रन्योर, रेडियो जॉकी, सरकारी विभागों में कार्यरत महिला अधिकारियों, आरएएस सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित छात्राओं, लखपति दीदी, समाजसेवी महिलाओं, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं निवास पर कार्यरत महिला सुरक्षाकर्मियों एवं महिला कर्मचारियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन सरकार महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए नीतियों एवं योजनाओं का निर्माण कर रही है। इसी का परिणाम है कि लखपति दीदी योजना के तहत प्रदेश में अब तक 16 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गई है। इसी प्रकार सोलर दीदी, बैंक सखी जैसी योजनाओं से महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। वहीं राजनीति में सक्रिय भागीदारी के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

महिलाओं का सशक्तीकरण राज्य सरकार की प्राथमिकता—

शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री लाडो प्रोत्साहन योजना में अब तक 6 लाख से अधिक बालिकाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मा वाउचर योजना सहित विभिन्न योजनाओं द्वारा महिलाओं का सशक्तीकरण हुआ है। वहीं, 1 लाख 39 हजार स्वयं सहायता समूहों को 679 करोड़ रुपये की आजीविका सहायता उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत 19 लाख से अधिक महिला पेंशनरों को 6 हजार 876 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 27 हजार से अधिक कन्याओं के विवाह के लिए लगभग 101 करोड़ रुपये की सहायता उपलब्ध करवाई गई है।

महिलाओं ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपने अनुभव किए साझा—

संवाद के दौरान ब्यावर की सोनिया वर्मा ने राज्य सरकार द्वारा महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए आभार जताया। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के लिए हाल ही में लॉन्च की गई एचपीवी वैक्सीन के लिए भी केन्द्र एवं राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। हनुमानगढ़ की मधु राठौड़ ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी सफलता की कहानी रखी। डॉ. कृति भारती ने बताया कि समाज में बाल विवाह की रोकथाम के लिए वे निरंतर कार्य कर रही हैं। साथ ही, इस संबंध में वे जागरूकता भी ला रही हैं। डीडवाना-कुचामन की बाली देवी ने बताया कि राजीविका के माध्यम से वह आज बैंक सखी बनकर न केवल आत्मनिर्भर बनी, बल्कि वे अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने के लिए अवसर दे रही हैं।

इस दौरान उपस्थित छात्राओं एवं महिलाओं ने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की सराहना की। साथ ही, लाभान्वितों ने अपना अनुभव भी सभी के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा महिला सुरक्षा एवं सम्मान की दिशा में अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा भर्ती परीक्षाओं का आयोजन पारदर्शिता से किया जा रहा है। वहीं, महिला उद्यमियों ने बताया कि राजीविका के माध्यम से अब वे ना केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर कर रहे बल्कि अन्य परिवारों को भी रोजगार देकर देश के विकास में भागीदारी निभा रही है।

अन्नपूर्णा रसोई में घरेलू गैस सिलेंडरों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

-शासन सचिव रवि जैन ने ली समीक्षा बैठक, सभी रसोइयों की नियमित मॉनिटरिंग के दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के स्पष्ट निर्देशों की अनुपालना में स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित बैठक में राज्यभर में संचालित अन्नपूर्णा रसोई योजना के अंतर्गत घरेलू गैस सिलेंडरों की उपलब्धता की समीक्षा की गई। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के तहत संचालित सभी रसोइयों में गैस सिलेंडरों की नियमित और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को भोजन प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। शासन सचिव ने कहा कि प्रदेश में संचालित लगभग 1071 अन्नपूर्णा रसोइयों की नियमित रूप से सघन मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक रसोई में गैस सिलेंडरों की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था तथा संचालन की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने सभी जिला कलेक्टर्स को भी निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जिलों में गैस सिलेंडर आपूर्ति करने वाले सप्लायर्स की नियमित समीक्षा करें तथा यह सुनिश्चित करें कि अन्नपूर्णा रसोईयों को गैस सिलेंडरों की समय पर और पर्याप्त आपूर्ति हो। सप्लायर्स को भी यह अवगत करवाया जाए की अन्नपूर्णा रसोई में कमर्शियल सिलेंडर नहीं घरेलू सिलेंडर ही इस्तेमाल करने का प्रावधान है जिस से किसी प्रकार की असमंजस की स्थिति उत्पन्न न हो । शासन सचिव जैन ने कहा कि अन्नपूर्णा रसोई योजना राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है, जिसके माध्यम से जरूरतमंदों और आमजन को सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसलिए योजना के संचालन में किसी प्रकार की बाधा या कमी नहीं आनी चाहिए।

उन्होंने आमजन से भी अपील की कि यदि किसी भी अन्नपूर्णा रसोई में भोजन उपलब्ध नहीं हो रहा हो या किसी प्रकार की समस्या हो तो वे तुरंत राजस्थान संपर्क पोर्टल के हेल्पलाइन नंबर 181 पर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। बैठक में उप निदेशक विनोद राजपुरोहित, मुख्य अभियंता अरुण व्यास सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे तथा सभी नगरीय निकायों के उच्च अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

जयपुर जिला कलक्टर के निर्देश पर अवैध रिफिलिंग एवं कालाबाजारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

- 83 गैस सिलेण्डर व एक पिकअप जब्त, दो व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार जयपुर शहर में घरेलू एवं व्यावसायिक एलपीजी गैस सिलेण्डरों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा अवैध रिफिलिंग, भण्डारण और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्यवाही की जा रही है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम प्रियव्रत सिंह चारण द्वारा जयपुर शहर में विशेष अभियान चलाते हुए 3 विशेष प्रवर्तन दलों का गठन किया गया। पूरी कार्यवाही के दौरान कुल 83 गैस सिलेण्डर (घरेलू एवं व्यावसायिक) तथा एक पिकअप वाहन जब्त किया गया। साथ ही प्रथम दृष्टया उर्मिल गैस एजेंसी, लालकोठी की संलिप्तता सामने आने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध संबंधित पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवाने की कार्रवाई की जा रही है। विशेष प्रवर्तन दल "ए" में सुश्री कविता शर्मा (प्रवर्तन अधिकारी) व श्रीमती सुनीता चौधरी (प्रवर्तन निरीक्षक), दल "बी" में श्रीमती पूजा शर्मा व श्रीमती विजयलक्ष्मी शर्मा (प्रवर्तन अधिकारी) तथा दल "सी" में श्रीमती निर्मला चौधरी (प्रवर्तन अधिकारी) व श्रीमती प्रिया गंगवानी (प्रवर्तन निरीक्षक) को शामिल किया गया।

जिला रसद अधिकारी चारण के नेतृत्व में विशेष प्रवर्तन दल द्वारा एयरपोर्ट रोड, सांगानेर क्षेत्र में चील गाड़ी रेस्टोरेंट के पास दबिश दी गई। कार्यवाही के दौरान घरेलू गैस सिलेण्डरों से व्यावसायिक सिलेण्डरों में अवैध रिफिलिंग कर कालाबाजारी किये जाने की पुष्टि हुई। मौके से 14 व्यावसायिक एवं 69 घरेलू गैस सिलेण्डर तथा एक पिकअप वाहन जब्त किया गया।

जांच के दौरान लगभग 15 घरेलू सिलेण्डरों में लगभग 2 किलोग्राम गैस कम पाई गई। मौके पर विधिक माप विज्ञान अधिकारी (एलएमओ) को बुलाकर जांच भी करवाई गई। इस अवैध गतिविधि में संलिप्त दो व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त दो विशेष प्रवर्तन दलों द्वारा दो गैस एजेंसियों का निरीक्षण भी किया गया तथा एजेंसियों को घरेलू गैस सिलेण्डरों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने, उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान करने तथा एजेंसी परिसर में अनावश्यक कतारें नहीं लगने देने के निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि जयपुर शहर में अवैध रिफिलिंग के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा "ऑपरेशन प्रवर्तन – सतर्क नागरिक, सुरक्षित शहर" अभियान पूर्व से ही संचालित किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध गैस रिफिलिंग, भण्डारण या कालाबाजारी की गतिविधि दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत विभाग को दें, ताकि आमजन की सुरक्षा और उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जुमातुल विदा के बाद शिया जामा मस्जिद में गूंजा यौमे कुद्स

- फिलिस्तीन के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में शुक्रवार को रमज़ान के आख़िरी जुमे यानी जुमातुल विदा की नमाज़ के बाद शिया जामा मस्जिद में हर साल की तरह इस वर्ष भी यौमे कुद्स मनाया गया। नमाज़ के बाद शिया समुदाय के लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया। साल 1979 से दुनिया भर में रमज़ान के आख़िरी जुमे को यौमे कुद्स के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का मकसद फ़िलिस्तीन और मुस्लिम समुदाय के पहले क़िबला मस्जिद अल-अक्सा की आज़ादी के लिए आवाज़ उठाना है, जिस पर इज़राइल का कब्ज़ा बताया जाता है। कार्यक्रम के दौरान आतंकवाद के ख़िलाफ़, दुनिया भर में हो रहे अत्याचारों के विरोध और मज़लूमों के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया। नमाज़ के बाद मस्जिद में विशेष दुआ का आयोजन भी किया गया, जिसमें पूरी इंसानियत के अमन और सलामती के लिए दुआ की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोग मौजूद रहे और सामूहिक रूप से ईरान के लिए भी विशेष दुआ की गई। वहीं मस्जिद के बाहर अमेरिका और इज़राइल की नीतियों के विरोध में बहिष्कार जताया गया।

जयपुर में अलविदा जुमा की रौनक, जामा मस्जिद में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रमज़ान के आख़िरी जुमे अलविदा जुमा की नमाज़ अकीदत और ख़ुशू-ख़ुज़ू के साथ अदा की गई। पुराने शहर के परकोटा जौहरी बाज़ार स्थित ऐतिहासिक जामा मस्जिद में सुबह से ही अकीदतमंदों का सैलाब उमड़ पड़ा। हज़ारों रोज़ेदार नमाज़ के लिए मस्जिद और आसपास की सड़कों पर जुटे, जहाँ उन्होंने मुल्क और प्रदेश में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की दुआएँ मांगी। अलविदा जुमा के मद्देनज़र प्रशासन ने भी सुरक्षा और ट्रैफिक के विशेष इंतज़ाम किए थे। भीड़ को देखते हुए जौहरी बाज़ार और आसपास के इलाकों में वाहनों का आवागमन बंद रखा गया और पुलिस बल तैनात रहा। मुस्लिम समाज के लिए रमज़ान का आख़िरी जुमा बेहद अहम माना जाता है। इस दिन रोज़ेदार अपने गुनाहों की माफ़ी मांगते हैं और अल्लाह से रहमत और बरकत की दुआ करते हैं। अलविदा जुमा के साथ ही अब शहर में ईद-उल-फितर की तैयारियां भी तेज हो गई हैं। नमाज़ के बाद बाज़ारों में रौनक बढ़ने की उम्मीद है, जहाँ सेवइयां, कपड़ों और इत्र की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ देखने को मिलेगी। रमज़ान का महीना 20 मार्च को पूरा होगा और चाँद दिखाई देने के बाद ही ईद-उल-फितर की तारीख तय होगी। अगर 20 मार्च की रात चाँद नजर आता है, तो ईद 21 मार्च को मनाई जाएगी।

मनोहरपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई:

ऑपरेशन नॉकआउट में 48 ट्रमाडॉल कैप्सूल के साथ आरोपी गिरफ्तार, कार जब्त

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन नॉकआउट अभियान के तहत मनोहरपुर थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 48 ट्रमाडॉल नशीले कैप्सूल के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बलेनो कार (RJ 59 CA 0734) भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार 11 मार्च 2026 को थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह को सूचना मिली कि हाईवे के आसपास वाहन चालकों को अवैध मादक पदार्थ बेचे जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने टोल प्लाजा पर संदिग्ध बलेनो कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक कार छोड़कर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर टीबा वाली ढाणी नवलपुरा में आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 48 ट्रमाडॉल

नशीले कैप्सूल बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी दशरथ पुत्र जयराम गुर्जर (23 वर्ष), निवासी मांडली पोस्ट नया बास, थाना बासदयाल, जिला कोटपूतली-बहरोड़ को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ NDPS एक्ट की धारा 8/21 व 8/22 में मुकदमा संख्या 63/26 दर्ज कर जांच थानाधिकारी अमरसर कमल सिंह द्वारा की जा रही है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से ही चंदवाजी, बासदयाल, बानसुर और हरसौरा थानों में कुल 6 आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह कार्रवाई उप महानिरीक्षक एवं सह-पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा डूडी (IPS) के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा रणवीर सिंह व वृत्ताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के सुपरविजन में की गई। पुलिस टीम में थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह,रामकरण सउनि, सुरेन्द्र सिंह सउनि, आशीष कानि और रोशन कानि शामिल रहे। इस कार्रवाई में कांस्टेबल रमेश की विशेष भूमिका रही, जिनकी सतर्कता और सूचना के आधार पर पुलिस को यह सफलता मिली। पुलिस ने बताया कि नशा तस्करी के खिलाफ जिले में ऑपरेशन नॉकआउट के तहत सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

अलविदा जुम्मे की नमाज़ में उमड़े सैकड़ो नमाजी

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। रमजान मुबारक महीने के अलविदा जुम्मे की नमाज जामा मस्ज़िद व होद की पाल वाली मस्ज़िद आदि में अदा हुई नमाज के बाद में अमन चैन की दुआएं की गई। जामा मस्जिद में पेश ईमाम नसरुद्दीन साहब ने नमाज़ अदा कराई जबकि

होद की पाल वाली मस्ज़िद में पेश ईमाम शेर मोहम्मद साहब ने नमाज को अदा कराई। नमाज के बाद में जिम्मेदारों की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में ईद की नमाज़ के इंतजाम और व्यवस्था को लेकर विस्तार से विचार - विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मोहल्ला खाकी शाह में स्तिथ ईदगाह में ईद-उल-फित्र की नमाज़ सुबह 8:30 बजे अदा की जाएगी। साथ ही यह भी तय किया गया कि सुबह 8 बजे से पेश इमाम नसरुद्दीन साहब का बयान शुरू होगा, जिससे नमाज़ से पहले लोगों को दीन की नसीहत और रहनुमाई मिल सके। कमेटी की ओर से कस्बे के तमाम मुस्लिम भाइयों से अपील की गई है कि वक्त की पाबंदी के साथ समय पर ईदगाह पहुंचें, ताकि बयान से भी फायदा उठाया जा सके और नमाज़-ए-ईद मुकम्मल इंतजाम के साथ अदा हो सके। ईद उल फितर की नमाज जामा मस्जिद में भी सुबह 8.30 बजे अदा होगी।

जिला स्तरीय बैंकर्स समिति की त्रैमासिक बैठक में हुई बैंकिंग योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कलेक्ट्रेट सभागार, जयपुर में शुक्रवार को जिला स्तरीय बैंकर्स समिति की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय, जयपुर के निर्देशन में दोपहर 3 बजे से किया गया। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (चतुर्थ) आशीष कुमार ने की। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक, जयपुर राजेश आर. जैन, भारतीय रिजर्व बैंक से एलडीओ चेतना गोयल, नाबार्ड से डीडीएम अरविंद चाहर, भारतीय स्टेट बैंक से प्रचुर गुप्ता, नगर निगम से मनीष, अनुजा विभाग के अधिकारी सहित विभिन्न विभागों एवं बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अग्रणी जिला प्रबंधक राजेश कुमार जैन एवं अधिकारियों द्वारा जयपुर जिले के सभी बैंक जिला समन्वयकों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ एजेंडा के अनुसार विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना तथा स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज कार्यक्रम की प्रगति पर चर्चा की गई। इसके साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना सहित सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं के लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। भारतीय रिजर्व बैंक की एलडीओ चेतना गोयल ने वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन, वित्तीय साक्षरता शिविरों के आयोजन तथा बीसी एजेंटों की नियुक्ति पर जोर दिया। वहीं नाबार्ड के डीडीएम अरविंद चाहर ने कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने तथा किसानों को अधिक से अधिक ऋण उपलब्ध कराने के संबंध में चर्चा की। बैठक में आरसेटी द्वारा भेजे गए ऋण आवेदन पत्रों की स्थिति, प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना तथा कृषि एवं उद्यमिता से संबंधित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। सभी बैंकर्स द्वारा अपनी-अपनी बैंकिंग योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर आरोह फाउंडेशन, जयपुर से वित्तीय परामर्शदाता नाथूलाल जाट (सीएफएल सांगानेर), संजीव कुमार मीणा (गोविंदगढ़) तथा नरेंद्र कुमार चौधरी (टीएसपी सांगानेर) सहित विभिन्न बैंकों के जिला प्रबंधक, सहायक प्रबंधक एवं कृषि विपणन विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जयपुर में कालिका पेट्रोलिंग का एक्शन, छेड़छाड़ करने वाले 9 मनचले गिरफ्तार

-महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस का अभियान, सार्वजनिक स्थानों पर बढ़ाई निगरानी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस आयुक्त योगेश दाधीच के निर्देशन में महिलाओं/बालिकाओं के साथ होने वाली छेडछाड, छींटाकशी इत्यादि घटनाओं की प्रभावी रोकथाम हेतु कालिका पेट्रोलिंग यूनिट टीम द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थानों यथा शैक्षणिक संस्थान/गर्ल्स हॉस्टल/पी.जी/मॉल्स/पार्क व भीडभाड वाले स्थानों पर डयूटी करते हुये महिलाओं/बालिकाओं के साथ छेडछाड, छीटाकंशी कर अश्लील हरकत करने, कॉलेज/स्कूल में पढ़ने वाली बालिकाओं का पीछा करने/छेडछाड करने वाले असामाजिक तत्वों/मनचलों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये व निर्भया हैल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुये 12 मार्च 2026 को कुल 09 मनचलों/असामाजिक तत्वो के खिलाफ कार्यवाही कर विभिन्न थानों में गिरफ्तार करवाया।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त योगेश दाधीच के निर्देशन में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट द्वारा विभिन्न स्कूल (हर्ष चिल्ड्रन एकेडमी, एनए पब्लिक स्कूल, गोपीनाथ पब्लिक स्कूल, आदर्श विधा मन्दिर, पेरामाउण्ट पब्लिक स्कूल व द नारायण एकेडमी), कॉलेज (भवानी निकेतन कॉलेज), कॉलोनी (आनन्द विहार, ब्रह्मापुरी कॉलोनी, रामनगर, गणेश विहार, करधनी, नेहरू नगर, मदीना कॉलोनी, श्यामनगर) इत्यादि में जाकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर एवं परिवहन संसाधन लो फ्लोर बस, सिटीबस, मिनीबस, अन्य

पब्लिक ट्रांसपोर्ट संसाधनों में यात्रा करते हुये मुरलीपुरा बस स्टैण्ड, ट्रांसपोर्टनगर बस स्टैण्ड, सांगानेरी गेट बस स्टैण्ड चार दरवाजा बस स्टैण्ड, सांगानेर बस स्टैण्ड, सेक्टर पार्क, स्वर्ण जयंती पार्क. सिविल लाइंस पार्क, वुडलैण्ड पार्क व राईटियोस फाउंडेशन झोटवाडा जयपुर में इत्यादि स्थानों पर राजकॉप सिटीजन एप का क्युआर कोड स्टीकर चस्पा कर कुल 692 महिलाओं/बालिकाओं को उनकी सुरक्षा के प्रति व कानूनों के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया।

इसके साथ ही सुपरविजन अधिकारी अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रानू शर्मा के नेतृत्व में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की मास्टर ट्रेनर द्वारा द्वारा विभिन्न स्कूल, कॉलेज, महाविधालय, गर्ल्स हॉस्टल, पी.जी. व मॉल्स में जाकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर महिलाओं/बालिकाओं को उनकी सुरक्षा के प्रति व कानूनों के बारे में जानकारी देकर कुल 3,839 छात्र/छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया। 537 महिलाओं/बालिकाओं को राजकॉप सिटीजन एप (Need Help) के बारे में जानकारी देकर डाउनलोड करवाया गया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रानू शर्मा ने बताया कि भीड़भाड़ वाले स्थानों में जाने वाली सभी बालिकाएं/महिलाएं अपने मोबाइल में निर्भया हेल्पलाइन के 5 नंबर 8764866090, 8764866091, 8764866092, 8764866093, 8764866094 को निर्भया 1, 2, 3, 4, 5 के नाम से अपने मोबाइल में सेव करें। किसी प्रकार की परेशानी सामने आने या विषम परिस्थितियों में तत्काल सहायता के लिये इन नंबरों पर लिखित, मौखिक, ऑडियो, वीडियो या रिकॉर्डिंग भेजी जा सकती है। यह हेल्पलाइन 24 घंटे काम करती है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हैरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

गैस सिलेंडर की रेट बढ़ाने के विरोध में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

- सरकार के खिलाफ नारेबाजी प्रधानमंत्री का पुतला फूंका

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को कांग्रेस कमेटी की ओर से रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमतों के विरोध में धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए गैस सिलेंडर की कीमतों में की गई वृद्धि को आम जनता के लिए बड़ा आर्थिक बोझ बताया। धरना स्थल पर कांग्रेस कमेटी की जिलाध्यक्ष एवं बामनवास विधायक इंदिरा मीणा पहुंचीं, जहां उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जिलेभर से आए सैकड़ों कांग्रेस प्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से अस्थायी चूल्हा बनाकर उस पर चाय तैयार की और बढ़ती महंगाई के खिलाफ आवाज बुलंद की। जिलाध्यक्ष इंदिरा मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में लगभग 60 रुपये की बढ़ोतरी कर आम आदमी की कमर तोड़ दी गई है। उन्होंने कहा कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति में बाधाओं के कारण छोटे व्यापारियों और आम लोगों का बजट पूरी तरह से बिगड़ गया है। कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता के हितों की रक्षा के लिए खड़ी रही है और इस तानाशाहीपूर्ण फैसले के खिलाफ आंदोलन जारी रखा जाएगा। धरना-प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए महंगाई को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की और गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमतों को तुरंत वापस लेने की मांग की।

एलपीजी के दुरूपयोग पर 71 सिलेंडर जब्त

-कालाबाजारी, रिफिलिंग व अवैध भण्डारण को लेकर रसद विभाग की कार्यवाही जारी

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देशानुसार जिले में घरेलू गैस उपभोक्ताओं को सुचारू आपूर्ति को ध्यान में रखते हुए जिले में एलपीजी दुरूपयोग और अवैध भण्डारण, कालाबाजारी, अवैध रिफिलिंग इत्यादि के विरूद्ध रसद विभाग के विशेष प्रवर्तन दल द्वारा बारां में 9 प्रवर्तन कार्यवाही कर 12 सिलेण्डर, अंता मे 2 प्रवर्तन कार्यवाही कर 7 सिलेण्डर, मांगरोल मे 9 प्रवर्तन कार्यवाही कर 12 सिलेण्डर एवं सीसवाली मे 2 प्रवर्तन कार्यवाही कर 2 सिलेण्डर, किशनगंज मे 7 प्रवर्तन कार्यवाही कर 10 सिलेण्डर, शाहबाद मे 2 प्रवर्तन कार्यवाही कर 5 सिलेण्डर छबडा मे 1 प्रवर्तन कार्यवाही कर 4 सिलेण्डर तथा उपखण्ड अधिकारी छीपाबडौद द्वारा छीपाबड़ौद मे 12 प्रवर्तन कार्यवाही कर 19 गैस सिलेण्डर कुल 44 प्रवर्तन कार्यवाहियों को अंजाम देकर 71 गैस सिलेण्डर जब्त किए गए। इनमें बारां शहर मे दिनेश कचौरी सेंटर तालाब पाडा, रामहेत चाय वाला माथना रोड, मदीना रेस्टोरेंट,अंजुमन चौराहा, दैविक कैफे एवं जूस कॉलेज रोड, लख्तदातार रेस्टोरेंट प्रिया हॉस्पीटल के पास, महावीर भांग ठेका माथना चौराहा, करण टी स्टॉल, श्री कृष्णा चाय नमकीन कॉलेज रोड, देवकृपा दूध डेयरी मांगरोल में रॉयल रेस्टोरेंट, माही सनराईज बैकर्स, मधु मिष्ठान भंडार, जोधपुर मिष्ठान भंडार, मोहम्मदी नोनवेज, कुणाल रेस्टोरेंट, शर्मा रेस्टोरेंट, सोनू रेस्टोरेंट सीसवाली में लोकेश स्वीट्स, अपना रेस्टोरेंट छीपाबडौद में अपनी चाय, गोविन्दलाल होटल, ग्रीन गार्डन ढाबा, याराना ढाबा, जसराज ढाबा, याराना टी स्टॉल, सांवरिया टी स्टॉल, रूकमणी फैमेली रेस्टोरेंट, दीपेश फास्ट फूड, कमलेश टी स्टॉल, पप्पू टी स्टॉल, महावीर टी स्टॉल छबडा में हलवाई की दुकान पर कार्यवाही की गई।

इस कार्यवाही मे आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 एवं एलपीजी (वितरण आपूर्ति विनियमन) आदेश 2000 का उल्लघंन पाये जाने पर विभागीय नियमानुसार नजदीकी गैस एजेन्सी को सुपुर्द कर प्रकरण तैयार किए जा रहे है। साथ ही जिला रसद अधिकारी विश्वजीत सिंह ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि जिले मे घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता है तथा नियमित एलपीजी आपूर्ति प्राप्त हो रही है। आम उपभोक्ता अनावश्यक भण्डारण न करें तथा गैस उपयोग में मितव्ययता बरतने तथा वैकल्पिक साधनों सोलर कुकर, इलेक्ट्रिक इंडक्शन चूल्हा इत्यादि का प्रयोग करें। एलपीजी दुरूपयोग और अवैध भण्डारण, कालाबाजारी, अवैध रिफिलिंग इत्यादि की सूचना प्राप्त होने पर 181, 112 तथा उपभोक्ता मामलात की हैल्पलाईन नंबर 14435 तथा जिला कन्ट्रोल रूम 9549379480, 9571367159, 6376573554 पर शिकायत दर्ज करवा सकते है। संयुक्त टीम में प्रवर्तन निरीक्षक रविन्द्र मील, संतोष कुमार मीना, रविन्द्र मीना शामिल रहे।

चेजारान कमेटी द्वारा रोज़ा इफ्तार की दावत में देश-विदेश के लिए अमन-चैन की दुआएं की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर चेजारान मस्जिद के आगे रोज़ा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोजेदार शामिल हुए और मगरिब की अजान के साथ अपना रोज़ा खोला। मौलाना मोतिउर रहमान ने रोज़ा इफ्तार की दुआ की। यह इफ्तार पार्टी शाम को मगरिब की अजान के साथ रोज़ा इफ्तार किया गया। ओर देश में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की दुआ मांगी गई।

कौम चेजारा के सदर मोहम्मद फारूक में बताया कि हर वर्ष की भांति इस साल भी सैकड़ो की संख्या में लोगों ने रोज़ा इफ्तार किया। जिसमें मोहम्मद अली राणा, फारूक चौहान, महमुद राणा, इलियास राणा, अख्तर चेजारा आदि मौजूद रहे। हमेशा की तरह मस्जिद दौ के आगे इफ्तार की दावत दी गई चूरू शहर के लोग हमेंशा से आपसी भाईचारा सद्भाव से रहते हैं और मुल्क में अमन चैन शांति और भाईचारे के लिए दुआए की।

हिंडौन सिटी में ईद की नमाज़ को लेकर अहम बैठक, नमाज़ सुबह 8:30 बजे होगी

हनीस शेख

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। दिनांक 13 मार्च 2026 को सुबह 10:00 बजे शहर की गाड़ी वाली मस्जिद में उलेमा-ए-कराम और वक्फ कमेटी के जिम्मेदारों की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में ईद की नमाज़ के इंतजाम और व्यवस्था को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि शहर की ईदगाह में ईद-उल-फित्र की नमाज़ सुबह 8:30 बजे अदा की जाएगी। साथ ही यह भी तय किया गया कि सुबह 8:00 बजे से मुफ्ती अब्दुल हमीद साहब का बयान शुरू होगा, जिससे नमाज़ से पहले लोगों को दीन की नसीहत और रहनुमाई मिल सके। कमेटी की ओर से शहर के तमाम मुस्लिम भाइयों से अपील की गई है कि वक्त की पाबंदी के साथ समय पर ईदगाह पहुंचें, ताकि बयान से भी फायदा उठाया जा सके और नमाज़-ए-ईद मुकम्मल इंतजाम के साथ अदा हो सके। इस मौके पर शहर इमाम हफीज सफी, शहर वक्फ कमेटी सदर बब्बू भाई, मौलाना मुजाहिद, कारी नईम, मुफ्ती अब्दुल हमीद, हफीज बाबुद्दीन, हफीज जुम्मा, हफीज सईद, मौलाना अनस, मुफ्ती इमरान, हाफिज हासिम, मौलाना हुजफा, रफीक खान, भीकम जी, आमिर कुरैशी, सद्दाम कुरेशी व शहर के जिम्मेदार लोग मौजूद रहे।

अली मंसूरी को अल्पसंख्यक राजस्थान प्रदेश कांग्रेस संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिली, समर्थकों में खुशी की लहर

इकबाल मोहम्मद शाह

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी व प्रदेश अध्यक्ष एम डी चौपदार की ओर से जारी आधिकारिक घोषणा के अनुसार कांग्रेस युवा नेता अली मोहम्मद मंसूरी को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग का सेक्रेटरी (सचिव) नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। इस फैसले के बाद भीलवाड़ा सहित प्रदेश भर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। अली मोहम्मद मंसूरी ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी द्वारा उन पर जताए गए विश्वास

के लिए दिल से धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि वह संगठन की मजबूती और पार्टी की विचारधारा को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। अली मोहम्मद मंसूरी ने राज्यसभा सांसद राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी व, राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष एमडी चौपदार का विशेष रूप से आभार जताया। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अली मंसूरी की इस नियुक्ति से प्रदेश में अल्पसंख्यक समुदाय के बीच पार्टी संगठन को और मजबूती मिल सकती है। वहीं स्थानीय स्तर पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। उनकी नियुक्ति की खबर सामने आते ही भीलवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों में समर्थकों और शुभचिंतकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। कई सामाजिक संगठनों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने आतिशबाजी व दस्तारबंदी माला कांग्रेस का दुपट्टा वह एक दूसरे का मिठाइयां खिलाई खुशी जाहिर की।

नारायण बारेठ का जाना पत्रकारिता और बौद्धिक जगत की अपूरणीय क्षति

-चूरू के सूचना केंद्र में वरिष्ठ पत्रकार नारायण बारेठ को दी श्रद्धांजलि

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सूचना केंद्र में वरिष्ठ पत्रकार नारायण बारेठ को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पत्रकारों और जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों की एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों और जनसंपर्ककर्मियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनसम्पर्क उपनिदेशक कुमार अजय ने कहा कि नारायण बारेठ राजस्थान की मिट्टी से जुड़े ऐसे महान पत्रकार थे जिन्होंने अपनी कलम और आवाज से पत्रकारिता को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। उन्होंने कहा कि बारेठ का व्यक्तित्व केवल प्रदेश तक सीमित नहीं था, बल्कि देश और दुनिया के पत्रकारों के साथ उनके गहरे संबंध थे। अपनी निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के बल पर उन्होंने जो सम्मान अर्जित किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि उनके निधन से पत्रकारिता जगत के साथ-साथ बौद्धिक समाज को भी अपूरणीय क्षति हुई है। इस अवसर पर सहायक जनसम्पर्क अधिकारी मनीष कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि नारायण बारेठ

ने पत्रकारिता को केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम माना। उन्होंने हमेशा जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को जागरूक करने का कार्य किया। उनकी सादगी, स्पष्ट सोच और पत्रकारिता के प्रति समर्पण हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चूरू की धरती से निकले बारेठ पत्रकारिता जगत की महान हस्ती थे। श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष देशदीपक किरोड़ीवाल ने कहा कि बारेठ जैसे पत्रकार विरले ही होते हैं। उन्होंने पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखते हुए नई पीढ़ी को सिखाया कि पत्रकारिता का मूल उद्देश्य सत्य को सामने लाना और समाज के हितों की रक्षा करना है। उनके विचार और कार्यशैली लंबे समय तक पत्रकारों को प्रेरित करती रहेगी। किशन उपाध्याय ने कहा कि नारायण बारेठ का जीवन पत्रकारिता की प्रतिबद्धता और साहस का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि बारेठ ने हमेशा तथ्यों और सत्य के साथ खड़े होकर पत्रकारिता की मर्यादा को कायम रखा। उनकी लेखनी में गहराई, संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकारों की स्पष्ट झलक दिखाई देती थी। आज जब पत्रकारिता अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रही है, ऐसे समय में उनके विचार और कार्य हमें सही दिशा दिखाते हैं। श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र सिंह शेखावत, जमील खान, नरेश भाटी, मनोज शर्मा, देवराज लाटा, मोहम्मद अली पठान, राहुल शर्मा, जगदीश सोनी, ललित चौहान, विजय चौहान, महेंद्र सोनी, अख्तर मुग़ल, मंगेज सिंह, अक्षेता, प्रदीप, दुलीचंद सोनी, विजय रक्षक सहित बड़ी संख्या में पत्रकार और जनसम्पर्ककर्मी उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

महवा पुलिस ने बैटरी चोरी का मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र मीना को किया गिरफ्तार

-आरोपी के खिलाफ 19 मामलों में पहले से नामजद

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा जिला पुलिस अधीक्षक दोसा सागर राणा (IPS) के निर्देशन में थाना महुवा पुलिस ने ई-रिक्शा से बैटरी चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर वीरेन्द्र उर्फ विक्रम मीना को गिरफ्तार किया है। आरोपी वीरेंद्र उर्फ विक्रम मीणा अव्वल दर्जे का बदमाश बताया जा रहा है और उसके खिलाफ विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, चोरी व अवैध हथियार सहित 19 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज राहुल प्रकाश (IPS), जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा (IPS) तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दौसा हेमन्त कलाल (IPS) के निर्देशानुसार वृत्ताधिकारी महुवा मनोहरलाल मीना (RPS) के सुपरविजन में महुवा थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार मीना के नेतृत्व में गठित टीम ने 12 मार्च को यह कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आरोपी के एक साथी मांगीलाल मीना को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है तथा चोरी की गई चार बैटरियां भी बरामद कर ली गई हैं। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और गिरफ्तार आरोपी से चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। ग़ौरतलब हैकिपीड़ित प्रेमसिंह पुत्र धीरसिंह राजपूत निवासी रौत ने 8 जनवरी 2026 को थाना महुवा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 24 दिसंबर 2025 की शाम उसने अपना ई-रिक्शा घर के सामने खड़ा किया था। अगले दिन सुबह देखा तो अज्ञात व्यक्ति ई-रिक्शा से चार बैटरियां और एक स्पीकर चोरी कर ले गए। इस पर थाना महुवा में प्रकरण संख्या 18/2026 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने जांच के दौरान मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर वीरेन्द्र उर्फ विक्रम मीना (25) निवासी हडिया, थाना महुवा जिला दौसा को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

"जहाँ खड़ी रहती है जनता, वहीं से शुरू हो विकास"

पूर्व पार्षद राजेश वर्मा का व्यावहारिक सुझाव चौमूं में चर्चा का केंद्र

चौमूं (रॉयल पत्रिका) शहर के कचोलिया रोड स्थित विधायक कार्यालय पर शुक्रवार को नगर परिषद चौमूं के पूर्व पार्षद राजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधायक डॉ. शिखा मील बराला से भेंटकर विधायक कोष के प्रभावी उपयोग को लेकर एक जनहितकारी सुझाव ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वर्मा ने प्रस्ताव रखा कि विधायक कोष का उपयोग ऐसे विकास कार्यों में किया जाए जो प्रतिदिन जनता को दिखाई दें और सीधे उनके जीवन को सहज बनाएँ। उन्होंने कहा कि बस स्टॉप वह स्थान है जहाँ किसान, छात्र, महिलाएँ, बुजुर्ग और श्रमिक रोज़ाना खड़े रहते हैं। यदि इन स्थानों पर आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हों, तो विकास केवल कागज़ों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आम नागरिक के दैनिक जीवन में सीधे महसूस

होगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विधायक कोष के माध्यम से गाँव और शहर दोनों क्षेत्रों में समान रूप से दिखाई देने वाला विकास मॉडल स्थापित किया जा सकता है। चौमूं विधानसभा क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत, चौमूं नगर परिषद एवं कालाडेरा नगर पालिका क्षेत्र के सभी बस स्टॉप्स को एक समान डिज़ाइन और पहचान के साथ विकसित किया जाए, ताकि पूरा क्षेत्र एक व्यावहारिक एवं जनोपयोगी उदाहरण के रूप में उभर सके। ज्ञापन के माध्यम से वर्मा ने विधायक कोष से बस स्टॉप्स पर वर्षा, धूप व सर्दी से बचाव हेतु शेड, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल तथा आवश्यकता अनुसार टॉयलेट जैसी मूलभूत सुविधाएँ विकसित किए जाने की मांग की, ताकि आमजन को प्रत्यक्ष राहत मिल सके और विकास का वास्तविक स्वरूप जमीन पर दिखाई दे। इस अवसर पर बाबूजी छीतरमल बबेरवाल, अल्पसंख्यक विभाग कांग्रेस के पूर्व विधानसभा, चौमूं अध्यक्ष शहजाद खान लोहानी व मिसाल गुर्जर आदि उपस्थित थे।

मंहगाई को लेकर कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा रसोई व कमर्शियल गैस के दामों में लगातार बढ़ोतरी, कमरतोड़ महंगाई तथा विफल विदेश नीतियों के विरोध सहित सामाजिक कार्यक्रमों व व्यवसायिक कार्यो के लिए कॉमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध कराने में विफल रहने के विरोध में पाली जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिशुपालसिंह निम्बाडा के नेतृत्व में जिला कलेक्ट्रेट के सामने कांग्रेस ने विशाल धरना-प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका गया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत तेज गर्मी के बावजूद जिलेभर से बड़ी संख्या कार्यकर्ता धरना स्थल पर पहुँचे वंही महिला कांग्रेस नेताओं व महिला कार्यकताओं ने अनूठा विरोध प्रदर्शन करते हुए लकड़ियों व सिगड़ी के चूल्हे पर रोटियां व चाय बनाकर विरोध जताया। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह निम्बाडा ने मौजूद कांग्रेसजनों की ओर से मांग करते हुए एलपीजी व कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में केंद्र सरकार द्वारा की गई बेतहाशा वृद्धि को अविलंब वापस लेने की मांग की वंही जिलाध्यक्ष निम्बाडा ने कहा की केंद्र सरकार भी आपदा में अवसर को तलाशते हुए व्याप्त गैस किल्लत में मुनाफाखोरों की तरह चुपके से गैस दामों में बेतहाशा वृद्धि कर आम आदमी की महंगाई से कमरतोड़ रही है। प्रदेश कांग्रेस सचिव डिम्पल कँवर व पूर्व विधायक खुशवीर सिंह जोजावर ने कहा कि इजरायल, अमेरिका और ईरान के मध्य हो रहे युद्ध के समय देश के हितों को संरक्षित करने में भाजपा की केन्द्र सरकार गलत विदेश नीति के कारण विफल रही है, जिस कारण देश में ईंधन का संकट व्याप्त हो गया है। पूर्व सभापति केवलचन्द गुलेच्छा व पूर्व प्रधान शोभा सोलंकी ने कहा कि केन्द्र सरकार की ओर से आमजन पर मंहगाई का बोझ डालते हुए घरेलू रसोई गैस के दाम साठ रुपये

बढ़ाकर व कमर्शियल गैस सिलेंडर में 115 रुपये कर बढ़ोत्तरी कर आमजन पर बोझ डाल दिया है। पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड़, प्रदेश प्रतिनिधि महावीर सिंह सुकरलाई व पाली शहर ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बीच देश के हितों की रक्षा करने में सरकार विफल रही है, जिसके चलते महंगाई तेजी से बढ़ी है और आम आदमी की कमर टूट चुकी है। इस दौरान लक्ष्मीनारायण तंवर, ऐश्वर्या सांखला, मदनसिंह जागरवाल, भेरूसिंह सोनाणा, मेहबूब टी, अरुण जोशी, पोपट पटेल, सुभाष मेवाड़ा, भँवर राव, जीवराज बोराणा, प्रकाश सांखला, प्रकाश चौधरी, गोविंद बंजारा, अशोक कुलदीप, जावेद सिरोहा, असगर कुरैशी, आनंद सोलंकी, राजेन्द्र सिंह जाखोड़ा, राकेश सवंशा, महेश परिहार, दलवीरसिंह चौहान, रतन उदेश, मांगूसिंह दुदावत, रफीक गौरी, ताराचन्द चन्दनानी, सज्जन बी राज, राकेश रेखराज मेवाड़ा, राकेश चौहान, लाल मोहम्मद सिंधी, आमीन अली रंगरेज, कृष्णा सांसी, गोरधन प्रजापत, मोहनसिंह हेमावास, पुष्प सोनी, रंगराज मेहता, अभिषेक चोपड़ा, रामचन्द्र बुनकर, रफीक चौहान, भेराराम गुर्जर, सत्यनारायण टांक, जीवराज चौहान, ताराचंद टांक, फकीर मोहम्मद सहित सैकड़ों कांग्रेस जन एवं बड़ी संख्या में महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन में मौजूद रही।

माहे रमजान में जुम्मा-तुल अलविदा की नमाज आमीना मस्जिद में मुफ्ती मोहम्मद शफीक सिकरिया ने अदा कराई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर की सभी मस्जिदों में माहे रमजान के आखिरी जुम्मा की नमाज अदा की गई जिसे अलविदा-जुमा, जुमातुल-विदा भी कहा जाता है, मस्जिद आमीना में मुफ्ती मोहम्मद सफीक सिकरिया ने जुमा-तुल-अलविदा की नमाज अदा करवाई। और कहा पवित्र महीने रमजान का आखिरी शुक्रवार होता है। इस्लाम में जुमा (शुक्रवार) का दिन पहले से ही बहुत महत्वपूर्ण माना गया है, लेकिन रमजान के आखिरी जुमे की अहमियत और भी बढ़ जाती है क्योंकि यह इस बरकत वाले महीने की विदाई का प्रतीक है, इबादत और दुआ: इस दिन मुस्लिम समुदाय के लोग मस्जिदों में विशेष नमाज

अदा करते हैं। और अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। माना जाता है कि इस दिन मांगी गई दुआएं जरूर कबूल होती हैं। रमजान की विदाई: "अलविदा" शब्द का अर्थ है विदा लेना। यह दिन इस बात का अहसास कराता है कि इबादत का पाक महीना अब समाप्त होने वाला है, जिससे कई श्रद्धालु भावुक भी हो जाते हैं। इस दिन साफ-सफाई और तैयारी कर लोग इस दिन नए या साफ कपड़े पहनते हैं, इत्र लगाते हैं और मस्जिदों की विशेष सजावट की जाती है। नमाज के बाद गरीबों को दान (सदका) देना भी इस दिन की एक अहम परंपरा है। ईद की दस्तक: अलविदा जुमा आने का मतलब है कि अब ईद-उल-फितर का त्योहार बहुत करीब है। नमाज के बाद लोग एक-दूसरे को 'अलविदा जुमा मुबारक' कहते हैं और खुशियां बांटते हैं। दुआओं की मकबूलियत: माना जाता है कि रमजान के जुम्मे को सच्चे दिल से मांगी गई दुआएं अल्लाह जरूर कबूल फरमाता है। विशेष सवाब: रमजान के हर पल का सवाब अधिक होता है, लेकिन जुम्मे की नमाज और इबादत का फल आम दिनों के मुकाबले 70 गुना तक बढ़ जाता है। गुनाहों की माफी: हदीस के अनुसार, एक जुम्मे से दूसरे जुम्मे के बीच किए गए छोटे गुनाह माफ कर दिए जाते हैं। अलविदा जुम्मा: रमजान का आखिरी जुम्मा (जुमा-उल-विदा) विशेष महत्व रखता है, जो इस मुकद्दस महीने की विदाई और इबादत के समापन का प्रतीक है। इस दिन मुसलमान मस्जिदों में इकट्ठा होकर सामूहिक नमाज (नमाज-ए-जुम्मा) अदा करते हैं, कुरान की तिलावत करते हैं और अल्लाह से अमन-चैन की दुआ मांगते हैं।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

चौथे जुम्मे पर रमज़ान के आख़िरी अशरे की रौनक, शबे-क़द्र की रातों में इबादतों का सिलसिला तेज़

-रोज़ा इंसान को अनुशासन और संयमित जीवन जीने की ओर प्रेरित करता है

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। रहमतों और बरकतों से भरे मुक़द्दस माहे रमज़ान के आख़िरी अशरे में शबे-क़द्र की मुबारक रातों के आग़ाज़ के साथ शहर की मस्जिदों में इबादतों का सिलसिला तेज़ हो गया है। रमज़ान के चौथे जुम्मे की नमाज़ के बाद अकीदतमंदों में इबादत का जज़्बा और बढ़ गया है। 21वीं और 23वीं शबे-क़द्र की रात के बाद अब शनिवार को 25वीं शबे-क़द्र अकीदत व एहतराम के साथ मनाई जाएगी।

इस मुबारक रात में मस्जिदों में अकीदतमंद मर्द और घरों में औरतें रात भर जागकर कुरआन की तिलावत, उम्री क़ज़ा नमाज़ों की अदायगी और नफ़्ल इबादतों में मशगूल रहेंगे। उलेमा-ए-किराम के अनुसार इन मुबारक रातों में हर लम्हा सलामती और रहमत से भरा होता है, जो सुबह सादिक तक जारी रहता है। जो बंदा इन रातों में इख़लास के साथ शब-बेदारी करता है, अल्लाह तआला उसके साल भर के गुनाह माफ़ फरमा देता है। संस्थान प्रवक्ता शौकत अली लोहिया ने बताया कि चौथे जुम्मे की नमाज़ में ईदगाह मस्जिद के पेश इमाम मौलाना मोहम्मद हुसैन अशरफी ने माहे रमज़ान की खास रातों की फज़ीलत और विशेष रूप से 27वीं शबे-क़द्र की अहमियत पर रोशनी डाली।

शबे-क़द्र की फज़ीलत हजार महीनों से बेहतर:-

मुफ्ती-ए-आज़म राजस्थान मौलाना शेर मोहम्मद खान रिज़वी ने बताया कि रमज़ान के तीसरे अशरे की पांच ताक़ रातें — 21, 23, 25, 27 और 29 — बेहद अफ़ज़ल मानी गई हैं। इन रातों में फरिश्ते आसमान से उतरते हैं और इबादत करने वालों की दुआओं पर "आमीन" कहते हैं। इनमें से 27वीं रमज़ान से पहले की रात को आमतौर पर लैलतुल क़द्र के तौर पर मनाया जाता है।

इस एक रात की इबादत का सवाब हजार महीनों की इबादत के बराबर बताया गया है। उन्होंने बताया कि इन मुबारक रातों में शहर की मस्जिदों में रात भर शबीना का आयोजन होता है, जिसमें कुरआन पाक की तिलावत की जाती है।

मस्जिदों को रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जा रहा है और इबादतगुज़ार लोग एक मस्जिद से दूसरी मस्जिद में जाकर सलातुल तस्बीह और नफ़्ल नमाज़ अदा करते हैं।

गरीबों की मदद में आगे आ रहे समाज के लोग:-

संस्थान प्रवक्ता शौकत अली लोहिया ने बताया कि रमज़ान के आख़िरी अशरे में समाज के विभिन्न समुदायों के साहिबे-हैसियत लोग जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। कौम लोहारान, अब्बासियान, कुरैशियान, सिंधियान, तेलियान, छीपा, चढ़वा सहित विभिन्न समाजों के लोग अपने आसपास के गरीब परिवारों को सेहरी, इफ्तार और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवा रहे हैं। जुम्मे की नमाज़ के बाद मस्जिदों में गुप्त रूप से आर्थिक मदद भी दी जा रही है, ताकि जरूरतमंद लोग भी ईद की खुशियों में शामिल हो सकें।

रमज़ान सब्र, रहमत और बरकतों का महीना:-

प्रधानाचार्य मजाहिर सुलतान ज़ई ने कहा कि कुरआन शरीफ में रमज़ान के रोज़े मुसलमानों पर उसी तरह फर्ज किए गए हैं जैसे पिछली उम्मतों पर किए गए थे। हर बालिग, समझदार मुस्लिम मर्द और औरत पर रमज़ान के रोज़े रखना फर्ज है। रोज़े के साथ नमाज़ की पाबंदी, ज़कात और खैरात देना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि रोज़ेदार को झूठ बोलने, बुरी बातों और चुगली से बचना चाहिए, क्योंकि ऐसे कर्मों से रोज़े का सवाब कम हो जाता है।

सदका, खैरात और फितरा दिल को देता है सुकून:-

शहर खतीब व पेश इमाम काजी मोहम्मद तैयब अंसारी ने कहा कि माहे रमज़ान में कुरआन की तिलावत, तरावीह, नफ्ल इबादतें, रोज़ा, सदका, खैरात और फितरा अदा करने से इंसान को दिली सुकून और रूहानी खुशी हासिल होती है। यह वही मुबारक महीना है जिसमें आसमानी किताब कुरआन मजीद नाज़िल हुई। इस महीने में अल्लाह की रहमतों और बरकतों की बारिश होती है, इसलिए हर मोमिन को चाहिए कि वह सच्चे दिल से तौबा करे और इबादत में ज्यादा से ज्यादा वक्त गुजारे। उन्होंने कहा कि अल्लाह तआला ईद की रात लाखों बंदों को माफी अता फरमाता है। रोज़ा इंसान को अनुशासन, सब्र और संयमित जीवन जीने की सीख देता है तथा उसे बुराइयों से दूर रखता है।

साजिद खान जोधाणा प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश संयुक्त सचिव नियुक्त

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक विभाग द्वारा साजिद खान जोधाणा को प्रदेश संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर है। नियुक्ति के बाद साजिद खान जोधाणा ने प्रदेश अध्यक्ष एम.डी. चोपदार एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसे वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए वे निरंतर कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर कई सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कालू कोलानी में चरमराई सफाई व्यवस्था

पाली (रॉयल पत्रिका)। शहर के कालू कोलानी में कचरे के ढेर लगे हैं यहां पर कचरा संग्रह करने वाली गाड़ी कभी कभी आती है शिकायत करने पर भी नगर निगम द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कई गलियों में गटर लाइन का पानी सड़कों पर फैल रहा है शिकायत दर्ज करवाने के बाद भी कोई समाधान नहीं किया जा रहा है। क्षेत्र में मुख्य सड़क के खाली प्लॉटो में पानी भरा हुआ है जिससे कोलानी में मच्छर फैल रहे हैं।

पाली में अधिवक्ताओं का महाकुंभ, प्रदेशभर के वकील होंगे एकजुट

-पाली में आज से अधिवक्ताओं का महाकुंभ, राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस की तैयारियां पूर्ण

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। ऑल राजस्थान एडवोकेट फेडरेशन द्वारा आयोजित होने वाली दो दिवसीय राज्य स्तरीय अधिवक्ता कॉन्फ्रेंस को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। अभिभाषक मंडल अध्यक्ष पी.एम. जोशी एवं सचिव मुकुल सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि कल दिनांक 14 मार्च 2026 से पाली-जाडन स्थित प्रसिद्ध ओम आश्रम में प्रदेशभर के अधिवक्ताओं का महाकुंभ आयोजित होगा, जिसमें राजस्थान के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में अधिवक्ता एक मंच पर एकजुट होंगे। अध्यक्ष पी.एम जोशी ने बताया कि इस राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस में अधिवक्ता वर्ग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर मंथन किया जाएगा तथा अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा, उनके अधिकारों को सशक्त बनाने और न्यायिक व्यवस्था में अधिवक्ताओं की भूमिका को और मजबूत करने पर विशेष चर्चा होगी। कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत राजस्थान भर के अधिवक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों की एक विशेष सेमिनार भी आयोजित की जाएगी, जिसमें अधिवक्ता हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। इनमें प्रत्येक जिले से बार काउंसिल सदस्य का निर्वाचन, जिला स्तर के अधिवक्ताओं को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में ऐलीवेशन,

अधिवक्ता वेलफेयर राशि में पारदर्शिता के साथ बढ़ोतरी तथा युवा अधिवक्ताओं के लिए वेलफेयर फंड से स्टाइपेंड प्रदान करने जैसे विषय शामिल रहेंगे। इसके अतिरिक्त टार्गेटेड केसेज प्रक्रिया में आ रही समस्याओं के निराकरण, अधिकरणों व लोक अदालतों में प्रैक्टिसरत अधिवक्ताओं को सामाजिक प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करने, प्रत्येक जिला मुख्यालय पर बार काउंसिल की शाखा खोलने तथा न्यायिक आदेशों एवं अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। सचिव मुकुल सोनी ने बताया कि कॉन्फ्रेंस के लिए अधिवक्ताओं का ऑनलाइन पंजीकरण भी किया गया है तथा प्रदेशभर से अधिवक्ता उत्साहपूर्वक अपना पंजीकरण करवाया गया हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्वागत, आवास, भोजन, पंजीकरण सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। अभिभाषक मंडल पदाधिकारी व सदस्य अधिवक्ता ऐतिहासिक अधिवक्ता महाकुंभ की तैयारी पूर्ण कर ली गई। तैयारी को लेकर अधिवक्ता पी.एम जोशी, मुकुल सोनी, जब्बरसिंह सिंह, सुमेर सिंह, कमलेश दवेरा, योगेन्द्र ओझा, कुन्दन चौहान, विक्रम सिंह, सद्दाम काजी, प्रवीण साहू, सुरेश राजपुरोहित, मुकेश आर्य, दीपक सोनी, अल्ताफ हुसैन, अर्जुन राठौड़, उमेश सांखला, हिमाशुं, गौरव, धीरेन्द्र सिंह मनिहारी, नवरतन चौहान, प्रियंका जोशी, कुसुमलता पंवार, मोनिका, डिम्पल, मोनिका पुरी सहित अधिवक्ता उत्साहपूर्वक तैयारी पूर्ण की।

महवा में यातायात में बाधित करने वाले अस्थाई अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाने को लेकर नगर पालिका व पुलिस प्रशासन ने चलाया अभियान

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड मुख्यालय के मंडावर रोड पर नगर पालिका महुवा व पुलिस प्रशासन ने यातायात में बाधित करने वाले रोड पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को समझाइश कर अस्थाई निर्माण को हटाने के निर्देश जारी किए जिसके चलते कुछ दुकानदारों ने अपना सामान हाथों-हाथ हटा कर पुलिस प्रशासन का सहयोग किया। महवा नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा महुवा पुलिस थाने के सी आई राजेंद्र कुमार मीणा ने नगर पालिका कर्मी व पुलिस कर्मियों के साथ शुक्रवार को महुवा हाईवे रोड़ो सहित कस्बे में बढ़ते हुए अतिक्रमण को रोकने की दिशा में कार्रवाई करते हुए मंडावर रोड सड़कों के किनारे दुकानदारों द्वारा अपना सामान फैला कर यातायात को बाधित करने वालों को समझाइश कर रोड़ों के अस्थाई अतिक्रमण को हटाने के निर्देश जारी किए वही अस्थाई अतिक्रमण करने वालों को अपने अतिक्रमण नहीं हटाने पर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के बाबत उन्हें सूचित किया। इस दौरान प्रशासन द्वारा अस्थाई अतिक्रमण हटाने के निर्देशों के बाद कुछ दुकानदारों ने तो मौके से हाथों-हाथ अपना अस्थाई अतिक्रमण सहित सामान हटा लिया वही नगर पालिका प्रशासन व पुलिस प्रशासन द्वारा की गई अतिक्रमण हटाओ अभियान की कार्रवाई की लोगों ने सराहना करते हुए मुख्य बाजार सहित अन्य जगह भी इस प्रकार के अभियान चलाने की मांग की है जिसे कहीं पर भी लोगों को आने-जाने की और सुचारू रूप से यातायात की व्यवस्था में कोई रुकावट नहीं हो।

नासिर मिर्जा के प्रदेश कॉर्डिनेटर बनने पर पूर्व वक्फ चेयरमैन जाकिर मंसूरी के आवास पर हुआ स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका) । प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष एम डी चोपदार द्वारा 12 मार्च को जारी की गई प्रदेश कमेटी की सूची में गजनपुरा निवासी हाजी नासिर मिर्ज़ा को प्रदेश कॉर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया। गुरुवार को पूर्व वक्फ कमेटी चेयरमैन जाकिर मंसूरी के नेतृत्व में उनके आवास पर नवनियुक्त प्रदेश कॉर्डिनेटर हाजी नासिर मिर्ज़ा का माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया गया। इस दौरान वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी, सेवादल के प्रदेश सचिव अशरफ देशवाली, जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व अध्यक्ष शाहिद कुंडी, एडवोकेट असलम भारती, साबिर खान प्रॉपर्टी, नियाज़ मोहम्मद, कलाम स्टोन, अरशद इकबाल, अफजल खान, जावेद खान, इदरीस जागीरदार, शोएब अख्तर, असलम राजा सहित कई लोग मौजूद रहे।

रमजान के पहले अशरे में ही जकात की अदायगी करे, ताकि दूसरों के घरों में रोज़े, ईद अच्छी हो सके- मुफ्ती सिकंदर-ए-आजम

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित मदरसा मदीना तुल उलूम मोहल्ला तेलियान के प्रिंसिपल मुफ्ती सिकंदर-ए-आज़म की तरफ से माहे रमज़ान की मुबारकबाद देते हुए आपने कहा बिस्मिल्लाह हिर्र रहमान-निरंहीम शुरू अवाह के नाम से जो बड़ा मेहरबान और रहम करने वाला है। हदीस और कुरान की कुछ बातें जो हमने सही हदीस और कुरान की रोशनी में रखी है। रमजान में जकात कि अदायगी के लिए आखिरी रोजे का इंतजार न करें पहले ही निकाल दें ताकि दूसरों के घरों की ईद अच्छी हो सके। आपके आसपास या रिश्तेदारी में कोई गरीब हो तो उसका हक है कि आप उसकी मदद करें। मदद भी ऐसे करें कि एक हाथ से दे तो दूसरे हाथ को भी महसूस ना हो कि आपने किसी की मदद की है। बड़ा मेहरबान है वो रब जिसने हमे इतना नेमत और बरकत बाला महीना दिया जितनी तारीफ करो उतनी कम है। बेशक अल्लाह हमे

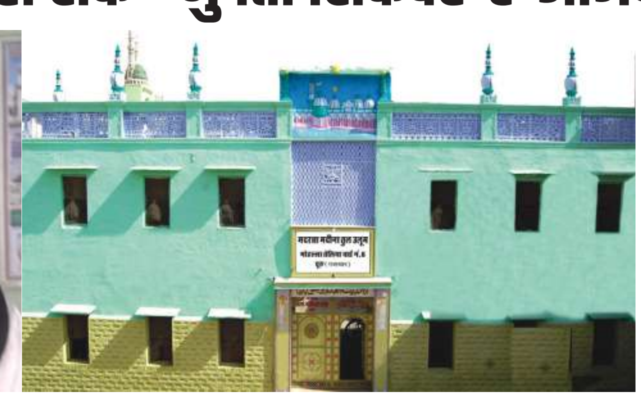

हर साल एक मौका देता है। ताकि हम ईमान वाले मोमिनों में से हो जाए। ओर जो सख्श चाहे अपने छोटे बच्चों के लिए रोज़ा रखने के कुछ सुझाव यह हैं: धीरे-धीरे शुरू करें- बच्चों को पहले से ही रोजा रखने की आदत डालने के लिए, आप उन्हें छोटे समय के लिए रोजा रखने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। उनकी सेहत का ध्यान रखें बच्चों को रोजा रखने से पहले यह सुनिश्चित करें कि वे स्वस्थ है और कोई बीमारी तो नहीं है। उन्हें पानी और भोजन की आवश्यकता के बारे में शिक्षित करें- बच्चों को यह समझने में मदद करें कि रोजा रखने के दौरान पानी और भोजन की आवश्यकता क्यों नहीं होती है। बच्चों को रोजा रखने में समर्थन और प्रोत्साहन दें, और उन्हें अपने अनुभवों के बारे में बात करने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें रोजा के महत्व के बारे में शिक्षित करें- बच्चों को रोज़ा के महत्व और इसके धार्मिक और नैतिक मूल्यों के बारे में शिक्षित करें। गुना की बक्सिस करा ले बेशक अल्लाह बड़ा मेहरबान और रहम करने वाला है। इसलिए हमारे एवं आपके लिए प्यारे नबी करीम सबहु अलैहि वसल्लम की हदीस मुबारक पेश है जिसमे हम रमजान में होने वाले अमल, फायदा, बरकत, इबादत सब अल्लाह के लिए हैं। रमजान के महत्व के बारे में मुफ्ती के बयान के मुख्य कुछ बिंदुः रोज़ा का महत्वः रमजान के महीने में मुसलमान रोजा रखते हैं, जो इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है। रोजा रखने से मुसलमान अपने आप को अल्लाह के प्रति समर्पित करते हैं और अपनी आत्मा को शुद्ध करते हैं। कुरान भी नाजिलः रमजान के महीने में ही हुआ। जो मुसलमानों के लिए सबसे पवित्र पुस्तक है। इबादत और आत्म-शुद्धिः रमजान के महीने में मुसलमान अपने आप को इबादत और आत्म-शुद्धि के लिए समर्पित करते हैं। वे अपने गुनाहों के लिए माफी मांगते हैं और अपने आत्मा को शुद्ध करते हैं। समाजिक एकता और सहयोगः मुसलमान रमजान के महीने में दूसरे के साथ मिलकर इफ्तार और सहरी का आयोजन करते हैं, जो सामाजिक एकता और सहयोग को बढ़ावा देता है। अल्लाह की रहमत और बकतः रमजान के महीने में मुसलमान उम्मीद करते हैं। वे अपने गुनाहों के लिए माफी मांगते हैं और अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की कोशिश करते हैं। छोटे बच्चों के लिए रोजा रखना एक महत्वपूर्ण धार्मिक अनुभव हो सकता है, लेकिन यह सुनिधित करना भी आवश्यक है कि ये स्वस्थ और सुरक्षित रहें। इस्लाम में बच्चों को रोजा रखने की उम्र आमतौर पर 7 साल मानी जाती है, लेकिन यह उम्र बच्चे की शारीरिक और मानसिक परिपक्कता पर निर्भर करती है।

मनोहरपुर–नवलपुरा मार्ग बना खतरे का रास्ता, संकरी सड़क और गहरे गड्ढों से ग्रामीण परेशान

-20 लाख लगत से मिट्टी भराव के बाद भी सड़क बदहाल, सरपंच पर उठे सवाल

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। मनोहरपुर से नदी के रास्ते होते हुए नवलपुरा को जोड़ने वाला मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार बना हुआ है। हाल ही में 20 लाख की लागत से इस मार्ग पर मिट्टी भराव का कार्य किया जा रहा है। जो कि कई जगह सड़क बेहद संकरी है और दोनों ओर गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए यह मार्ग खतरे का रास्ता बन गया है। हालात ऐसे हैं कि इस सड़क पर दो वाहन एक साथ निकलना भी मुश्किल हो जाता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है।

इस दौरान ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति के कारण रात के समय आवागमन करना और भी जोखिम भरा हो जाता है। लोगों को मजबूरी में जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीणों राकेश कुमार सैनी ने आरोप लगाया कि कई बार सरपंच व पुत्र को बुलाते है मौके पर तो आते नहीं है। इसकी शिकायत करने के बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

20 लाख स्वीकृत होने के बावजूद सड़क की हालत खराब:-

ग्रामीणों के अनुसार इस सड़क के लिए करीब 20 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है, जिसमें 10 लाख रुपये विधायक कोटे से और 10 लाख रुपये पंचायत की ओर से बताए जा रहे हैं। इसके बावजूद सड़क की हालत अभी भी संतोषजनक नहीं है, जिससे लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

सड़क निर्माण को लेकर उठ रहे सवाल:-

जानकारी के अनुसार यह सड़क पूर्व सरपंच सुरेश के मकान से लेकर शेडू राम के आरा जो कि 12 फुट चौड़ाई 280 मीटर लंबाई तक बनाई जानी है। फिलहाल यहां मिट्टी भराव का कार्य किया जा रहा है, लेकिन मिट्टी भरने के बाद भी कई स्थानों पर सड़क संकरी दिखाई दे रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शुरुआत में ही सड़क की चौड़ाई सही तरीके से तय की जाती तो आज यह समस्या नहीं आती।

ग्रामीणों ने की जांच और जल्द समाधान की मांग:-

इस दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य की जांच कराई जाए और मार्ग को जल्द चौड़ा व सुरक्षित बनाया जाए, ताकि मनोहरपुर और नवलपुरा के बीच आने-जाने वाले लोगों को राहत मिल सके। ऐसे में सरपंच सीता देवी ने बताया कि सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता वीडियो ने मौके पर आकर मिट्टी भी नाप ली गई है।ओर इस रास्ते की जांच भी कर ली गई है।

हज यात्रियों के टीकाकरण एवं स्वास्थ्य परीक्षण की प्रक्रिया पूर्ण, आवश्यक निर्देश जारी

जयपुर । राजस्थान राज्य हज कमेटी के निर्देशानुसार राज्य के सभी हज यात्रियों का टीकाकरण एवं शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण जिला स्तर पर आयोजित टीकाकरण शिविरों के दौरान करवा दिया गया है। विदेश में प्रवासी भारतीय हज यात्रियों का टीकाकरण अभी शेष है। ऐसे हज यात्री अपने जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से संपर्क कर टीकाकरण एवं शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण करवाएं तथा अपनी मेडिकल डायरी भरवाकर संबंधित जानकारी ऐप पर ऑनलाइन अपडेट कराएं। जिन हज यात्रियों ने कोविड का टीका नहीं लगवाया है, वे कोविड टेस्ट करवाकर उसकी नेगेटिव रिपोर्ट अपने पास सुरक्षित रखें तथा मेडिकल डायरी में संबंधित चिकित्सक से उसका उल्लेख करवाएं। जो हज यात्री चिकित्सकीय रूप से अनफिट हैं, वे अपना नाम एवं कवर नंबर स्टेट हज कमेटी को लिखित रूप में उपलब्ध कराएं, ताकि समय रहते नियमानुसार उनकी हज अदायगी राशि वापस की जा सके। चयनित स्टेट हज इंस्पेक्टर का नाम एवं मोबाइल नंबर हज सुविधा ऐप पर उपलब्ध है। हज यात्री ऐप में लॉगिन कर अपने स्टेट हज इंस्पेक्टर से संपर्क करें तथा हज सुविधा ऐप और स्मार्ट वॉच की उपयोगिता के बारे में जानकारी प्राप्त कर हज यात्रा के दौरान इनका उपयोग करें, जिससे यात्रा को सरल और सुगम बनाया जा सके। हज यात्रियों को अपना पासपोर्ट स्वयं के पास सुरक्षित रखना होगा। पासपोर्ट के फटने, तेल या पानी से खराब होने अथवा गुम होने की स्थिति में हज 2026 पर जाना संभव नहीं होगा। हज यात्री पासपोर्ट रिपोर्टिंग के समय अपने साथ रखें तथा रवानगी से पूर्व हज फ्लाइट टिकट एवं संबंधित सामग्री प्राप्त करें। हज यात्री अपने वीजा की प्रति से पासपोर्ट में अंकित फोटो, नाम, पिता का नाम, पासपोर्ट संख्या आदि का सावधानीपूर्वक मिलान कर लें। यदि किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाती है तो तत्काल स्टेट हज कमेटी को प्रार्थना पत्र भेजकर उसे ठीक करवाएं। स्टेट हज इंस्पेक्टर पासपोर्ट रिपोर्टिंग के समय हज हाउस, जयपुर से पासपोर्ट प्राप्त करें तथा नियुक्त हज यात्रियों से संपर्क कर उन्हें हज यात्रा से संबंधित नवीनतम जानकारी उपलब्ध करवाते रहें।

नेशनल ट्राईबल भित्ति चित्र एवं माण्डना कला कार्यशाला का शुभारंभ

-कलाएं रहेंगी, तभी संस्कृति जीवित रहेगी - खराड़ी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी शुक्रवार को सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) सभागार में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग तथा माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय नेशनल ट्राईबल भित्ति चित्र एवं माण्डना कला कार्यशाला के शुभारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। खराड़ी ने देश भर से आए जनजाति कलाकारों का स्वागत किया। उन्होंने भित्ति चित्र, मांडना और जनजातीय कला जैसी परंपराएं केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और जीवन मूल्यों की धरोहर हैं।

खराड़ी ने कहा कि सरकार और समाज दोनों को मिलकर ऐसे प्रयास करने होंगे, जिससे कलाकारों को प्रोत्साहन मिले और आने वाली पीढ़ियां भी अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी रह सकें। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ऐसे हालात बन रहे हैं, जिससे संस्कार और संस्कृति का क्षरण हो रहा है। इस तरह की कार्यशालाएं इन कलाओं को पुनर्जीवित करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम सिद्ध हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कलाएं रहेंगी तभी संस्कृति जीवित रहेगी। इसलिए इन कलाओं का संरक्षण करना आवश्यक है।

बिग बॉस 19 : गौरव खन्ना को अब तक नहीं मिली प्राइज मनी, ब्लॉग में किया खुलासा

टीवी एक्टर गौरव खन्ना इन दिनों फिर सुर्खियों में हैं, उन्होंने अपने हालिया यूट्यूब ब्लॉग में खुलासा किया कि उन्हें अब तक मनी प्राइज नहीं मिली है। रियलिटी शो बिग बॉस-19 के तीन महीने से ज्यादा समय बिताने के बाद गौरव खन्ना ने जीत हासिल की थी दिसम्बर में 2025 में हुए ग्रैंड फिनाले में होस्टल सलमान खान ने उन्हें विनर घोषित किया था, हाल में ही में अपने यूट्यूब ब्लॉग में गौरव ने बताया कि शो जीतने के बावजूद उन्हें अभी तक 50 लाख रूपये की प्राइज मनी नही मिली है। गौरव ने कहा कि आमतौर पर इन चीजों को मिलने में एक दो महीने लग जाते हैं, क्योंकि कंपनी की अपनी इंटरनल ऑडिट और प्रोसेस होती है उन्होंने कहा कि थोड़ा डिले होना सामान्य बात है और उन्हें भरोसा है कि जल्द ही प्राइज मनी मिल जाएगी। एक फैन ने यह भी पूछा कि शो जीतने के बाद उनकी जिदंगी में क्या बदलाव आया इस पर गौरव ने बताया कि उनके कानपुर घर पर रोजाना करीब 50-60 लोग मिलने आते हैं लोगों को उनका शांत और गरिमापूर्ण खेल पसंद आया। गौरव का कहना है कि इस शो के बाद उन्हें पहले से कहीं ज्यादा पहचान मिली है।

'भूत बांग्ला' का टीज़र रिलीज

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 14 साल बाद मचाया धमाल, डरावनी हवेली में कॉमेडी का तड़का

अक्षय कुमार की भूत बांग्ला का टीज़र डरावनी दुनिया की एक अजीब झलक दिखाता है। डरावने पोस्टरों से फैंस को लुभाने के बाद, मेकर्स ने आखिरकार भूत बांग्ला का टीज़र जारी कर दिया है। बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार और दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन की प्रतिष्ठित जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी कर रही है। 14 साल के लंबे इंतजार के बाद, इस जोड़ी ने अपनी आगामी हॉरर-कॉमिडी फिल्म 'भूत बांग्ला' का टीज़र रिलीज कर दिया है। टीज़र के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। अक्षय कुमार की भूत बांग्ला का टीज़र डरावनी दुनिया की एक अजीब झलक दिखाता है। डरावने पोस्टरों से फैंस को लुभाने के बाद, मेकर्स ने आखिरकार भूत बांग्ला का टीज़र जारी कर दिया है। प्रोमो में कॉमेडी का ज़्यादा इस्तेमाल किया गया है, जो मज़ेदार अफ़रा-तफ़री, मज़ेदार पंचलाइन और हल्के-फुल्के पलों के साथ माहौल बनाता है। हॉरर एलिमेंट को बस थोड़ी देर के लिए ही दिखाया गया है।वामिका गब्बी फ़िल्म में फीमेल लीड रोल में हैं, जो अक्षय के साथ उनका पहला प्रोजेक्ट है। फ़िल्म की लॉगलाइन है। 'हँसी, चीखें और सरप्राइज़ बांग्ला के अंदर इंतज़ार कर रहे हैं। अंदर जाने की हिम्मत है?' इससे पहले, मेकर्स ने भूत बांग्ला से राम जी आके भला करेंगे रिलीज़ किया था, जो फैंस के बीच बहुत पॉपुलर हुआ था। बालाजी टेलीफ़िल्म्स लिमिटेड का एक डिवीज़न, बालाजी मोशन पिक्चर्स, केप ऑफ़ गुड फ़िल्म्स के साथ मिलकर भूत बांग्ला पेश कर रहा है। फ़िल्म में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव हैं। प्रियदर्शन द्वारा डायरेक्टेड और अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को थिएटर में रिलीज़ होगी, जिसका बॉक्स ऑफिस पर अदिवी सेष और मृणाल ठाकुर की डकैत से क्लैश होगा।

प्रोड्यूसर की इस हरकत से परेशान हुईं

अदा शर्मा

काम ना मिलने पर इंडस्ट्री पर उठाए सवाल

अदा शर्मा ने हाल ही में अपने करियर को लेकर काफी निराशा जाहिर की है। उनका कहना है कि प्रोड्यूसर की बार-बार डेट्स चेज करने हरकतों की वजह से उनकी जिंदगी प्रभावित हुई है और उन्हें काम मिलने में बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा ने फिल्म 'द केरला स्टोरी' से खास पहचान बनाई थी। उनकी अदाकारी को दर्शकों ने खूब सराहा था और ये कम बजट की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही थी, लेकिन पिछले एक महीने से अदा के पास कोई काम नहीं है। उन्होंने खुद अपने इंस्टाग्राम वीडियो के द्वारा इस बात का खुलासा किया है। एक्ट्रेस अदा ने बताया कि एक फिल्म के प्रोड्यूसर ने बार-बार शूटिंग की डेट्स बदलीं, जिससे उन्हें महीनों तक काम नहीं मिला। उन्होंने 3 फिल्मों के लिए एक साथ कमिटमेंट किया था, लेकिन पहले प्रोड्यूसर की लगातार डेट बदलने की वजह से दूसरी फिल्मों के प्रोड्यूसर्स को भी अपनी डेट्स बदलनी पड़ीं। बता दें, बाद में पहले प्रोड्यूसर ने कहा कि अब उसे इन डेट्स की जरूरत नहीं है। इससे अदा की पूरी योजनाएं प्रभावित हुईं और वे पिछले एक महीने से बिना काम के बैठी हैं। साथ ही, अदा ने अपने वीडियो में कहा, 'मेरी जिंदगी बर्बाद हो गई है। मैं अब एक महीने से खाली बैठी हूं, भावनात्मक, मानसिक, पेशेवर और आर्थिक रूप से परेशान हूं, इस इंडस्ट्री की ये चीज खराब है इसमें अच्छे लोगों के साथ कई बूरे लोग भी है।' हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि बॉलीवुड में सभी बुरे नहीं होते, कुछ अच्छे लोग भी हैं। काम की बात करें तो अदा ने हाल ही में 'द केरला स्टोरी 2' के बारे में भी बात की थी। उन्होंने कहा कि फिल्म के प्रोजेक्ट्स के बारे में मेकर्स और एक्टर्स के बीच ही बातचीत होती है और बिना हिस्सा लिए किसी फिल्म की चर्चा में जोर नहीं देतीं। 'द केरला स्टोरी' की कहानी एक मासूम लड़की के आतंकवादी बनने की संवेदनशील कहानी थी, जबकि उसकी दूसरी कड़ी उससे पूरी तरह अलग होगी।

वायरल मोनालिसा ने प्रेमी से विवाह के बाद अपने नाबालिग होने की खबरों को गलत बताया

पिछले साल प्रयागराज कुंभ मेले के दौरान चर्चा में आई मोनालिसा भोसले ने यहां अपने प्रेमी से शादी करने के बाद बृहस्पतिवार को कहा कि उनके नाबालिग होने की खबरें फर्जी और गलतै हैं।यहां के एक मंदिर में एक मुस्लिम व्यक्ति से शादी करने के एक दिन बाद दी मोनालिसा ने यह प्रतिक्रिया दी है। मोनालिसा ने यहां पत्रकारों से कहा, मैं 18 वर्ष की हूं।मोनालिसा भोसले के पति ने कहा, वह 18 वर्ष से अधिक की हैं। वरना हमारी शादी का पंजीकरण कैसे संभव होता। उसके नाबालिग होने संबंधित सभी खबरें फर्जी और गलत हैं। कृपया उन पर विश्वास न करें।दंपति से यह पूछने पर कि क्या वे केरल में ही रहने का इरादा रखते हैं तो पति ने कहा कि यह उनकी पत्नी की इच्छा पर निर्भर करता है। मोनालिसा ने कहा कि उन्हें केरल पसंद है और वह यहीं रहना चाहती हैं।उन्होंने यह भी बताया कि उनकी एक फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है जबकि दूसरी फिल्म पर काम चल रहा है। मोनालिसा के पति ने कहा कि वे छह महीने पहले एक फिल्म में कलाकारों की चयन प्रक्रिया के दौरान मिले थे और उसी दौरान उन्हें प्यार हो गया था। इस जोड़े ने बुधवार को पूवार के अरुमन्नूर स्थित नैनार मंदिर में विवाह किया।इस अवसर पर केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी, सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के प्रदेश सचिव एम. वी. गोविंदन, सांसद ए. ए. रहीम तथा पार्टी के अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे। मोनालिसा ने बताया कि उनके परिवार को उनका यह रिश्ता पसंद नहीं था और वे उन पर किसी अन्य व्यक्ति से विवाह करने का दबाव बना रहे थे।

मधुबाला बायोपिक में अनीत पड्डा की एंट्री?

जानें वायरल हो रही इस खबर के पीछे का असली सच

बॉलीवुड में अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' (2025) से रातों-रात चर्चा में आई अभिनेत्री अनीत पड्डा इन दिनों फिर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया और फिल्मी गलियारों में यह खबर तेजी से फैली कि अनीत पड्डा को भारतीय सिनेमा की 'वीनस' कही जाने वाली दिवंगत अभिनेत्री मधुबाला की बायोपिक के लिए चुन लिया गया है। लेकिन, क्या वाकई अनीत पड्डा पर्दे पर मधुबाला बनने जा रही हैं? पिछले कुछ दिनों से मशहूर स्क्रीन आइकन मधुबाला पर बायोपिक बनने की अटकलें ऑनलाइन चल रही हैं। कुछ रिपोर्ट्स में तो यह भी दावा किया गया था कि एक्टर अनीत पड्डा आइकॉनिक स्टार का रोल करेंगी। हालांकि, इंडस्ट्री के सूत्रों ने अब इन दावों को खारिज कर दिया है और कहा है कि इनमें कोई सच्चाई नहीं है। एक इंडस्ट्री सोर्स ने साफ किया है कि अनीत पड्डा को मधुबाला की बायोपिक से जोड़ने वाली खबरें गलत हैं। इंडस्ट्री सोर्स ने कहा, 'मधुबाला की बायोपिक में अनीत पड्डा को कास्ट किए जाने की जो खबरें चल रही हैं, उनमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। ये दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।' मधुबाला पर बायोपिक बन रही है या नहीं, यह भी अभी ऑफिशियली कन्फर्म नहीं हुआ है। अक्टूबर 2025 में, ऐसी अफवाहें भी थीं कि अनीत पड्डा शक्ति शालिनी में कियारा आडवाणी की जगह ले सकती हैं। उस समय, मैडॉक फिल्म्स ने एक ऑफिशियल स्टेटमेंट के साथ इन अटकलों पर बात की और दावों को खारिज कर दिया। स्टेटमेंट में लिखा था, 'हालांकि हम सच में अपने हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स के एक्साइटमेंट को वैल्यू देते हैं, हम यह बिल्कुल साफ करना चाहते हैं कि शक्ति शालिनी और महा मुंज्या सहित आने वाले चैप्टर्स की कास्टिंग के बारे में कोई भी रिपोर्ट पूरी तरह से अंदाज़ा है। 'अनीत पड्डा के लिए आगे क्या है? अनीत पड्डा ने डायरेक्टर नित्या मेहरा की प्राइम वीडियो सीरीज़ बिग गर्ल्स डोंट क्राई (2024) से एक्टिंग में डेब्यू किया। बाद में उन्हें मोहित सूरी की डायरेक्ट की हुई थिएटर में रिलीज़ हुई सैयारा (2025) से ज़्यादा पहचान मिली। अनीत, अगली बार कोर्टरूम ड्रामा न्याय में नज़र आएंगी, जिसमें वह एक बार फिर नित्या मेहरा के साथ काम करेंगी। इस फ़िल्म में फातिमा सना शेख और अर्जुन माथुर भी हैं।

'किसान बहुरिया' में खेती-किसानी करती नजर आएंगी भोजपुरी एक्ट्रेस अंजना सिंह

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस अंजना सिंह की मच अवेटेड फिल्म 'किसान बहुरिया' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर होने जा रहा है। यह फिल्म एक ऐसी महिला की कहानी है, जो शादी के बाद खेती कर घर की जिम्मेदारी संभालती है। हाल ही में फिल्म के मेकर्स ने एक क्लिप शेयर की है। मेकर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का क्लिप शेयर किया। मंजुल ठाकुर के निर्देशन में बनी फिल्म 'किसान बहुरिया' में अंजना सिंह और प्रशांत सिंह मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा, फिल्म में खुशी झा, विद्या सिंह, गोलू तिवारी, अशोक मिश्रा और सुधा यादव जैसे अनुभवी कलाकार नजर आएंगे। वहीं, बाल कलाकार के रूप में दीक्षा मिश्रा होंगी। इसमें ओम झा ने संगीत दिया है जबकि फिल्म को बी4यू भोजपुरी चैनल पर दिखाया जाएगा। किसान बहुरिया एक ऐसी महिला पर केंद्रित है जो पति की मानसिक हालत खराब होने और घर की स्थिति को ठीक करने के लिए खेती करती है। हालांकि, मेकर्स ने पहले ही फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया था। ट्रेलर में दिखाया गया था कि अंजना शादी करके अपने ससुराल आती हैं लेकिन पति की मानसिक हालत देखकर हैरान हो जाती हैं। वहीं, पति की ऐसी स्थिति देखकर उसे आए दिन देवरानी से ताने मिलते हैं। कहानी में, कहानी जबरदस्त ट्विस्ट तब आता है, जब अंजना सिंह अपने पति और घर की जिम्मेदारी उठाने की ठानती है और खेतों में काम करना शुरू कर देती है।

(साभार एजेंसी)

जैक ड्रेपर ने पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को हराया, क्वार्टर फाइनल में पहुंचें

इंडियन वेल्स (अमेरिका) (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन जैक ड्रेपर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया। हाथ की चोट के कारण आठ महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले 24 वर्षीय ड्रेपर इस जीत से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं जहां उनका मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से पराजित किया। तीसरे सेट में जोकोविच 6-5 से आगे थे, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और ड्रेपर ने वापसी करते हुए मैच को टाईब्रेकर तक पहुंचा दिया। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा, मुझे अब भी ऐसा नहीं लगता कि मैं उस तरह से खेल रहा हूं जैसा मैं खेलना चाहता हूं। लेकिन मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

द हंड्रेड-पाकिस्तानी खिलाड़ियों को लगा झटका, ऑक्शन में नहीं मिला खरीदार

लाहौर (एजेंसी)। इंग्लैंड की लोकप्रिय 100 गेंदों की लीग द हंड्रेड के 2026 सीजन के लिए हुए विमेन्स ऑक्शन में पाकिस्तान की महिला क्रिकेटरों को निराशा हाथ लगी। ऑक्शन में शामिल चारों पाकिस्तानी खिलाड़ी अनसोल्ड रह गई और किसी भी फ्रेंचाइजी ने उन्हें अपने स्क्वॉड में शामिल नहीं किया। इस सूची में फतीमा सना, सादिया इकबाल, मुनवा अली, डीना बेग जैसे खिलाड़ी शामिल थीं, जिन्होंने 15,000 पाउंड के बेस प्राइस के साथ ऑक्शन के लिए अपना नाम दर्ज कराया था।

शॉर्टलिस्ट के बाद भी नहीं मिली टीम

ऑक्शन प्रक्रिया में चार में से दो खिलाड़ियों को अंतिम चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना और महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शीर्ष रैंक वाली गेंदबाज सादिया इकबाल फाइनल लिस्ट में शामिल थीं। हालांकि, अंतिम बोली प्रक्रिया के दौरान किसी भी फ्रेंचाइजी ने इन दोनों खिलाड़ियों के नाम पर बोली नहीं लगाई। इस वजह से दोनों खिलाड़ी भी अनसोल्ड रह गई और आगामी सीजन में द हंड्रेड का हिस्सा नहीं बन सकेंगी।

आईपीएल के शुरुआती 20 मैच का शेड्यूल जारी

28 मार्च को बेंगलुरु में आरसीबी-एसआरएच का ओपनिंग मैच, विक्ट्री परेड में यहीं भगदड़ मची थी

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के शुरुआती 20 मैचों का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। ओपनिंग मैच 28 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा।

यह मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। इसी मैदान में पिछले साल 4 जून को आरसीबी के पहले टाइटल जीतने के बाद हुई विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी और इसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी।

हालांकि, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु के मैच कर्नाटक सरकार की एक्सपर्ट कमेटी से मंजूरी के बाद ही होंगे। एक्सपर्ट कमेटी 13 मार्च 2026 को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम का निरीक्षण करेगी।

16 दिन में 4 डबल हेडर होंगे- आईपीएल 2026 के पहले फेज में 16 दिन में 20 मैच खेले जाएंगे। इनमें 4 डबल हेडर शामिल हैं। 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपने होम ग्राउंड वानखेड़े स्टेडियम में अपना पहला मैच खेलेगी। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ गुवाहाटी में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। ऋतुराज गायकवाड की कप्तानी वाली सीएसके में संजू सैमसन पहली बार खेलते दिखेंगे। वे टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे।

दूसरे फेज का शेड्यूल चुनाव तारीखों के ऐलान के बाद जारी होगा- आईपीएल के दूसरे फेज का शेड्यूल 5 राज्यों में होने वाले चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद जारी किया जाएगा। 2008 में आईपीएल शुरू होने के बाद जब भी देश में आम चुनाव (2009, 2014, 2019 और 2024) या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव हुए हैं, तब टूर्नामेंट का शेड्यूल दो हिस्सों में जारी किया गया है।

ऑफ कटर से गच्चा खा रहे मॉडर्न बैटर

● वर्ल्ड कप के 357 विकेट पेसर्स को, इसमें 68 ऑफ कटर पर गिरे, बुमराह इसके उस्ताद

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 क्रिकेट को हमेशा से बल्लेबाजों का गेम माना जाता है, लेकिन टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में तेज गेंदबाजों ने 'स्लोअर गेंदों' (पेस-ऑफ) के जरिए जोरदार वापसी की। इस पूरे टूर्नामेंट में तेज गेंदबाजों द्वारा फेंकी गई कुल गेंदों में स्लोअर का प्रतिशत 15.88 प्रतिशत रहा, यानी लगभग हर छठी गेंद गति कम करके फेंकी गई। यह पिछले चार संस्करणों में सबसे ज्यादा है।

आधुनिक क्रिकेट में तेज गेंदबाजों के पास लेग-कटर, नकल-बॉल और स्प्लिट-फिंगर जैसी कई नई और जटिल स्लोअर गेंदें मौजूद हैं।

लेकिन, इन तमाम वेरिएशंस के बीच गेंदबाजों का सबसे मारक हथियार बनी एक पुरानी और बेसिक गेंद-'ऑफ-कटर'। विकेट निकालने के लिए गेंदबाजों ने स्लोअर गेंदों की वैरायटी में से इसी साधारण गेंद पर सबसे ज्यादा भरोसा जताया।

क्या होती है ऑफ कटर?

क्रिकेट में 'ऑफ-कटर' तेज गेंदबाजों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले स्लोअर वेरिएशन का एक प्रकार है। यह एक तेज गेंदबाज द्वारा फेंकी गई ऑफ-स्पिन गेंद होती है। जब कोई तेज गेंदबाज इसे फेंकता है, तो वह अपने सामान्य रन-अप और एक्शन के साथ ही आता है, लेकिन गेंद को रिलीज करते समय अपनी उंगलियों को सीम पर दाईं ओर (घड़ी की सुई की दिशा में) तेजी से फेरता है। इसे ही तकनीकी भाषा में गेंद को 'कट' करना कहते हैं। अंगुलियों के इस खास एक्शन की वजह से गेंद की गति अपने आप काफी कम हो जाती है। पिच पर टप्पा खाने के बाद यह गेंद दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए बाहर (ऑफ स्टंप) से अंदर (लेग स्टंप या शरीर) की तरफ आती है। चूंकि बल्लेबाज रन-अप को देखकर एक तेज गेंद की उम्मीद कर रहा होता है, इसलिए गति में अचानक आए इस बदलाव से उसकी टाइमिंग पूरी तरह बिगड़ जाती है।

अहमदाबाद में सबसे खतरनाक रहा यह वैरिएशन क्योंकि मैदान बड़ा

ऑफ-कटर का असर मैदान के आकार पर भी निर्भर करता है। छोटी बाउंड्री वाले मैदानों पर बल्लेबाजों के पास मिस-हिट के बावजूद रन बटोरने की गुंजाइश ज्यादा होती है। इसलिए चेन्नई के चेपक व कोलकाता के ईडन गार्डन्स जैसे मैदानों पर यह वैरिएशन काफी हद तक बेअसर साबित हुआ। लेकिन, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की काली मिट्टी और बड़े आउटफील्ड ने इसे सबसे घातक बना दिया। वहां की 'ग्रिपी' पिच पर गेंद रुक कर आई। इस मैदान पर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 21 विकेट ऑफ-कटर से मिले और इकोनॉमी रेट भी सिर्फ 8.25 रहा। साउथ अफ्रीका ने अपने 8 में से 5 मैच अहमदाबाद की उसी काली मिट्टी वाली पिच पर खेले, जहां स्लोअर गेंदें सबसे ज्यादा ग्रिप कर रही थीं। यही उनके पेस अटैक के हावी होने का सबसे बड़ा कारण बना। बुमराह के पास सिर्फ एक यही वैरिएशन, लेकिन इसमें वे सर्वश्रेष्ठ बुमराह के पास स्लोअर के नाम पर सिर्फ ऑफ-कटर है, लेकिन वे इस परफेक्शन से फेंकते हैं कि बैटर धोखा खा जाता है।

वे ग्रिप, एक्शन या आर्म-स्पीड बदले बिना सिर्फ कलाई के एक तेज झटके (स्नैप) से यह गेंद फेंकते हैं। उनकी इस गेंद की तुलना मुरलीधरन की 'ऑफ-ब्रेक' से की जा सकती है। तेज गेंदबाज होने के बावजूद वे करीब 115-120 किमी/घंटा की रफ्तार वाली इस गेंद को स्पिनर जैसे जबरदस्त टर्न, ग्रिप, 'डिप' (उछाल में कमी) कराते हैं। बुमराह इसे किस एंगल से फेंकते हैं, वह इसे और भी घातक बनाता है। उन्होंने अपनी 76.7 प्रतिशत ऑफ-कटर क्रीज के वाइड एंगल (ओवर द विकेट) से फेंकी। जेसन होल्डर को छोड़कर किसी ने यह एंगल इतना इस्तेमाल नहीं किया। बुमराह का कंट्रोल इतना गजब का है कि वे शॉर्ट या बैक-ऑफ-लेंथ ऑफ-कटर से बैटर को फंसाते हैं, तो एकदम सटीक यॉर्कर लेंथ वाली कटर से स्टंप्स उखाड़ देते हैं। बुमराह ने सेमीफाइनल में ब्रूक और फाइनल में रचिन को स्पैल की पहली ही गेंद (ऑफ-कटर) पर आउट किया। बैटर को लगता है कि उनका तेज रन-अप और एक्शन उन्हें तेज गेंद खेलने के लिए मजबूर करेगा, लेकिन बुमराह पहली ही गेंद पर उनकी टाइमिंग बिगाड़ देते हैं।

हार्दिक के खिलाफ तिरंगे के अपमान की शिकायत

वर्ल्ड कप जीत के जश्न के दौरान फ्लैग ओढ़कर जमीन पर लेटने का आरोप

अहमदाबाद (एजेंसी)। क्रिकेटर हार्दिक पंड्या के खिलाफ तिरंगे के अपमान को लेकर बेंगलुरु में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुणे के वकील वाजिद खान बिडकर ने यह शिकायत की है। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत के बाद अहमदाबाद में जश्न के दौरान पंड्या पर तिरंगे का सम्मान न करने का आरोप लगाया गया है।

वायरल वीडियो के आधार पर शिकायत- शिकायतकर्ता के अनुसार, टीम इंडिया की जीत के बाद मैदान पर जश्न मनाते हुए कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। एक वीडियो में पंड्या अपने कंधे पर तिरंगा ओढ़कर मैदान पर नाचते और दौड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि जश्न के दौरान पंड्या अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मंच पर लेटे दिखे। उस समय भी उनके कंधे पर तिरंगा था। शिकायतकर्ता का कहना है कि यह राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के खिलाफ है।

राष्ट्रीय ध्वज कानून का हवाला

वकील वाजिद खान ने कहा कि द प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टु नेशनल ऑनर एक्ट, 1971 के अनुसार तिरंगे की गरिमा बनाए रखना अनिवार्य है। उनका आरोप है कि जश्न के दौरान हार्दिक पंड्या इस बात का ध्यान नहीं रख पाए, जिसे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान माना जा सकता है। इस मामले में उन्होंने इसी कानून की धारा 2 के तहत शिकायत दर्ज कराई है।

यह कानून राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान को रोकने के लिए बनाया गया है। इसके तहत तिरंगे को जमीन पर गिरने देना, उसे अनुचित तरीके से पहनना या किसी भी तरह उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाना दंडनीय माना जाता है। खान ने बताया कि उन्होंने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दी है। शुरुआत में पुलिस ने कहा कि घटना अहमदाबाद में हुई है, इसलिए मामला वहीं दर्ज होना चाहिए। हालांकि, खान ने तर्क दिया कि तिरंगा पूरे देश का राष्ट्रीय प्रतीक है, इसलिए इसकी शिकायत कहीं भी दर्ज कराई जा सकती है। बाद में पुलिस ने उनकी शिकायत स्वीकार कर ली और उसकी कॉपी भी उन्हें दे दी।

क्रिकेटर कुलदीप की शादी में होगी 20 हजार की थाली

शादी का कार्ड राधा-कृष्ण थीम पर, सुनहरी नक्काशी में दिखी रजवाड़े जैसी झलक

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव अपनी बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ शादी करने जा रहे हैं। शादी में शामिल होने के लिए कानपुर से परिवार और रिश्तेदार मसूरी रवाना हो चुके हैं। यह शादी 14 मार्च (शनिवार) को मसूरी के आलीशान 'वेलकम होटल द सेवॉय' में होगी। इसके तीन दिन बाद यानी 17 मार्च को लखनऊ के होटल सेंट्रम में ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी आयोजित की जाएगी। कुलदीप और वंशिका ने 4 जून 2025 को लखनऊ में सगाई की थी। इस शादी का बजट 2 करोड़ रुपये से अधिक होने की संभावना है। कुलदीप और वंशिका की शादी का खूबसूरत और शाही वेडिंग कार्ड भी सामने आया है। निमंत्रण पत्र की थीम राधा-कृष्ण पर आधारित है। इसकी बनावट, नक्काशी और उस पर उकेरी गई कलाकृतियां किसी शाही रजवाड़े का अहसास कराती हैं। कार्ड की कीमत करीब 2200 रुपये बताई जा रही है। वहीं, मेहमानों के लिए वेज और नॉनवेज दोनों तरह के व्यंजन रखे गए हैं। खाने की एक प्लेट की कीमत करीब 20 हजार रुपये है।

10वीं रैंक वाले बांग्लादेश से हारा पाकिस्तान

दिग्गजों ने उड़ाई टीम की धज्जियां

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पूर्व खिलाड़ी बासित अली और कामरान अकमल ने टीम मैनेजमेंट और खिलाड़ियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने पावरप्ले रणनीति, खराब बल्लेबाजी और एक साथ चार डेब्यू खिलाड़ियों को मौका देने के फैसले पर सवाल उठाए। टी20 विश्व कप 2026 में मुंह की खाने के बाद पाकिस्तानी टीम बड़े बदलाव और बड़ी उम्मीदों के साथ बांग्लादेश दौरे पर गई। पाकिस्तान के नए वनडे कप्तान शाहीन अफरीदी के नेतृत्व में टीम को बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले वनडे में ही आठ विकेट से करारी शिकस्त मिली। पाकिस्तान टीम की इस हार के बाद वहां के दिग्गजों ने अपनी ही टीम की धज्जियां उड़ाई हैं। कामरान अकमल, बासित अली, फवाद आलम से लेकर फैंस तक ने टीम की खिल्ली उड़ाई और कहा कि जिस टैलेंट की बात पाकिस्तान क्रिकेट में इतने दिनों से की जा रही थी, क्या यही वो टैलेंट हैं?

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को आठ विकेट से हराया

दरअसल, रोड टू 2027 वनडे वर्ल्ड कप के तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश ने तीन मैचों की वनडे सीरीज से अपनी तैयारी शुरू की है। दोनों के बीच 11 मार्च को ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में सीरीज का पहला वनडे खेला गया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हु 30.4 ओवर में 114 रन बनाए और सभी 10 विकेट गंवा दिए। इसके बाद बांग्लादेश की टीम ने पाकिस्तान की पारी के आधे ओवर में सिर्फ दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। बांग्लादेश ने 15.1 ओवर में लक्ष्य हासिल किया। अब दूसरा वनडे 13 मार्च को ढाका में ही खेला जाएगा।

● **चौथी रैंक पर है पाकिस्तान** – सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पाकिस्तान की वनडे रैंकिंग चार है, जबकि बांग्लादेश की वनडे रैंकिंग 10 है। बांग्लादेश की टीम अब तक 2027 वनडे विश्वकप के लिए क्वालिफाई तक नहीं कर पाई है। उसे वनडे विश्वकप के लिए ऑटोमैटिक क्वालिफाई करने के लिए 31 मार्च, 2027 तक रैंकिंग में शीर्ष-आठ में आना जरूरी है। ऐसा नहीं हुआ तो टीम को क्वालिफायर्स खेलना होगा। उस बांग्लादेशी टीम से पाकिस्तान को करारी शिकस्त मिली। मैच के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों ने टीम का मजाक उड़ाया। पूर्व ऑलराउंडर फवाद आलम ने ट्विटर पर लिखा, क्या इन्हें ही हम टैलेंट कहते हैं?

अकमल का आईसीसी रैंकिंग पर भी तंज

अकमल ने पाकिस्तान की आईसीसी रैंकिंग पर भी तंज कसते हुए कहा कि घरेलू मैदान पर कमजोर टीमों को हराकर रैंकिंग में ऊपर रहना ज्यादा मायने नहीं रखता। उन्होंने कहा, हम घर पर कमजोर टीमों को हराकर अंक जुटाते हैं, लेकिन जब विदेश जाते हैं तो असली तस्वीर सामने आ जाती है। मार्च 2026 में बांग्लादेश दौरे के लिए पाकिस्तान ने शाहीन शाह अफरीदी की कप्तानी में 15-सदस्यीय वनडे टीम की घोषणा की थी। टीम में कई नए चेहरों को मौका दिया गया है, जबकि दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम, फखर जमां, सैम अयूब, मोहम्मद नवाज और नसीम शाह को बाहर कर दिया गया।

● **पाकिस्तान टीम-** शाहीन शाह अफरीदी (कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फैसल अकरम, हारिस रऊफ, हुसैन तलत, माज सदाकत, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद वसीम जूनियर, मुहम्मद गाजी गोरी (विकेटकीपर), साद मसूद, साहिबजादा फरहान, सलमान अली आगा और शमील हुसैन।

रणनीति पर बासित अली का तीखा हमला

पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पूर्व क्रिकेटर और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बासित अली ने टीम मैनेजमेंट और खिलाड़ियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने खास तौर पर पावरप्ले में 10 ओवर में 60 रन बनाने की रणनीति पर सवाल उठाए। बासित अली ने कहा, सबसे पहले उस आदमी को हटाना चाहिए जिसने खिलाड़ियों से कहा कि पावरप्ले के 10 ओवर में कम से कम 60 रन बनाओ। उसने कभी मैदान पर क्रिकेट खेली ही नहीं होगी, बस कागज पकड़ाकर दे देता है। क्या उसे यहां की परिस्थितियों का अंदाजा नहीं था? क्या उसे नहीं पता कि यहां भारत जैसी टीम भी बांग्लादेश में हार चुकी है? बासित अली ने टीम में एक साथ चार डेब्यू खिलाड़ियों को मौका देने के फैसले पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, एक या दो नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाता है, लेकिन चार को एक साथ उतारना सही फैसला नहीं है।

एक टीम इंटरनेशनल, दूसरी क्लब टीम जैसी

पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर कामरान अकमल भी टीम के प्रदर्शन से बेहद निराश नजर आए। उन्होंने कहा कि मैच में दोनों टीमों के स्तर में साफ फर्क दिख रहा था। अकमल ने कहा, ऐसा लग रहा था जैसे एक टीम इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रही है और दूसरी टीम वर्ल्ड कप से पहले कोई प्रैक्टिस मैच खेल रही क्लब टीम हो। मैंने बासित को फोन किया, लेकिन मेरे पास यह बताने के लिए शब्द नहीं थे कि हम कैसी क्रिकेट खेल रहे थे।

क्लब क्रिकेट में भी ऐसा नहीं होता

अकमल ने पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इतना खराब प्रदर्शन तो क्लब क्रिकेट में भी नहीं देखने को मिलता। उन्होंने कहा, मैं कसम खाकर कहता हूं कि इस तरह की बल्लेबाजी क्लब क्रिकेट में भी नहीं होती। क्लब के खिलाड़ी भी इतनी खराब बल्लेबाजी नहीं करते।

नाहिद राणा के खिलाफ बल्लेबाजी पर सवाल

अकमल ने खास तौर पर नाहिद राणा की गेंदबाजी के खिलाफ पाकिस्तान के बल्लेबाजों के रवैये पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, हमारे सभी बल्लेबाज बैकफुट पर खेल रहे थे। कोई भी आगे बढ़कर नहीं खेला। रिजवान सीनियर खिलाड़ी हैं, उन्हें समझदारी दिखानी चाहिए थी और आगे निकलकर शॉट लगाना चाहिए था, लेकिन उन्हें दो बार कट लगा और वह आउट हो गए। अकमल ने यह भी कहा कि राणा ने विकेट लेने के बाद ज्यादा जश्न भी नहीं मनाया।

पिता के निधन के बाद जितेश की बदली सोच

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप की भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से उन्हें निराशा जरूर हुई थी, लेकिन कुछ ही समय बाद उनके जीवन में ऐसा व्यक्तिगत दुख आया जिसने उनकी सोच पूरी तरह बदल दी।

जितेश के पिता मोहन शर्मा का 1 फरवरी को छोटी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्होंने बताया कि उस समय वह सात दिन तक अपने पिता के साथ रहे और उसी दौरान उन्हें एहसास हुआ कि परिवार उनके लिए वर्ल्ड से भी ज्यादा महत्वपूर्ण था।

मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में जितेश ने अपने करियर के उतार-चढ़ाव और निजी जिंदगी पर खुलकर बात की।

जितेश बोले-

● **वर्ल्ड कप से ज्यादा मेरे पिता को मेरी जरूरत थी-** वर्ल्ड कप टीम से बाहर होने के अनुभव पर जितेश ने कहा, जब मुझे पता चला कि मेरा सिलेक्शन नहीं हुआ है, तो मैं थोड़ा निराश था। आखिर मैं भी एक इंसान हूं और बुरा महसूस करना स्वाभाविक है। लेकिन कुछ ही समय बाद मेरे पिता बीमार हो गए और 1 फरवरी को उनका निधन हो गया। मैं उनके आखिरी सात दिनों में उनके साथ था। तब मुझे अहसास हुआ कि मेरे पिता को वर्ल्ड कप से ज्यादा मेरी जरूरत थी। उसके बाद मेरे मन में टीम से बाहर होने का कोई दुख नहीं रहा।

टी20 विश्व कप विजेता जसप्रीत बुमराह ने कहा

दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना पसंद है

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 विश्व कप में खिताब का बचाव करना अपने करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक करार देते हुए कहा कि उन्हें दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना अच्छा लगता है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में चार विकेट लेकर भारत की 96 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे भारत टी20 विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने और तीन बार यह ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें बुमराह ने कहा, मैं पर्दे के पीछे नहीं रहना चाहता हूं। मैं हमेशा सक्रिय रूप से भाग लेना चाहता हूं। मुझे शुरू से ही चुनौतियां पसंद हैं। बुमराह को फाइनल में शानदार प्रदर्शन करने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने कहा, मैंने क्रिकेट इसी मकसद से खेला है। मैंने क्रिकेट खेलना इसी मकसद से शुरू किया था। जब मैं कुछ बदलाव लाता हूं तो मुझे बहुत खुशी मिलती है। इससे बेहतर कोई अहसास नहीं है।

गुजरात में जन्में इस तेज गेंदबाज के लिए यह जीत भावनात्मक रूप से और भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह जीत उसी स्थान पर मिली जहां से उनके क्रिकेट करियर की शुरुआत हुई थी। बुमराह ने कहा, मैंने यहीं से क्रिकेट खेलना शुरू किया। मैंने अपना अधिकतर क्रिकेट यहीं खेला है। मैं यहीं गुजरात के लिए खेलते हुए आगे बढ़ा। यहीं विश्व कप जीता और मैन ऑफ द मैच बना। पिछली बार (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल) हम बस थोड़ा सा चूक गए थे, लेकिन इस बार जीत हासिल करने में सफल रहे।

चीन की संसद का वार्षिक सत्र कई कानूनों को अनुमोदित करने के साथ संपन्न

» बीजिंग, भाषा।

चीन की संसद का बहुचर्चित वार्षिक सत्र कई कानूनों को मंजूरी देने के साथ बृहस्पतिवार को समाप्त हो गया। इन कानूनों में देश की अर्थव्यवस्था में मंदी पर काबू पाने के लिए नई पंचवर्षीय योजना, रक्षा बजट में वृद्धि और विवादास्पद जातीय कानून शामिल हैं। विवादास्पद जातीय कानून सभी जातीय अल्पसंख्यकों के लिए मंदारिन भाषा को अनिवार्य बनाता है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) का वार्षिक सत्र दो सप्ताह से भी कम समय में संपन्न हुआ। एनपीसी को अक्सर रबर-स्टैंप संसद कहा जाता है क्योंकि वह सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) द्वारा अनुमोदित कानूनों पर नियमित रूप से बस मुहर लगाती है।

एनपीसी और शीर्ष सलाहकार निकाय - चीनी पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस (सीपीपीसीसी) का वार्षिक सत्र मार्च के पहले हफ्ते में शुरू हुआ था जिसमें 5,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। अमेरिका-ईरान युद्ध और चीनी राष्ट्रपति शी चिनपिंग द्वारा किए गए व्यापक सैन्य बदलावों के कारण व्याप्त उथल-पुथल के बीच आयोजित इन दोनों सत्रों ने वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया। शी जिनपिंग (72) ने दोनों सदनों के सत्र में भाग लिया। इससे पहले, दोनों सत्रों में भाग लेने वाले 240 से अधिक प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, शी चिनपिंग ने सैन्य अधिकारियों से राजनीतिक निष्ठा बढ़ाने का खुला आह्वान किया, जिसका अर्थ है पार्टी के नेतृत्व का अनुसरण करना। शी चिनपिंग पीएलए और सीपीसी की समग्र उच्च कमान, केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के प्रमुख भी हैं। जनवरी में पीएलए के सर्वोच्च रैंक वाले जनरल झांग यूक्सिया समेत दो वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को उनके पद से हटाए जाने के बाद शी की यह पहली बैठक है। दोनों सैन्य अधिकारियों को उनके पद से हटाए जाने को हाल के इतिहास में पीएलए में बड़ा बदलाव माना गया, जो निचले स्तर के सैनिकों के लिए झटके जैसा था। महत्वपूर्ण बात यह है कि छह सदस्ईय सीएमसी के अंतिम बचे जनरल झांग शेंगमिन ने संसद के वर्तमान सत्र में अपने भाषण में सेना से शी चिनपिंग के आदेश का दृढ़तापूर्वक पालन करने का आह्वान किया। एनपीसी का सत्र पांच मार्च को शुरू हुआ, जिसमें शी चिनपिंग के करीबी सहयोगी प्रधानमंत्री ली कियांग ने अपनी सरकार की कार्य रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट में हाल के वर्षों में पहली बार चीन के जीडीपी लक्ष्य को इस वर्ष के लिए 4.5 से 5 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है। यह कदम ट्रंप के टैरिफ युद्ध, अमेरिका-ईरान युद्ध के बाद बिगड़ते वैश्विक संकट और संपत्ति बाजार में मंदी और बेरोजगारी संकट के कारण घरेलू अर्थव्यवस्था में उत्पन्न चुनौतियों के मद्देनजर उठाया गया है। घरेलू आर्थिक चुनौतियां बढ़ने के बीच चीन पिछले तीन वर्षों से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लिए पांच प्रतिशत का लक्ष्य लेकर चल रहा है। अमेरिकी टैरिफ के बावजूद मजबूत निर्यात के दम पर चीन की अर्थव्यवस्था पिछले वर्ष पांच प्रतिशत बढ़कर 20लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई, जबकि घरेलू खपत, जो इसकी सबसे बड़ी कमजोरी रही है, सुस्त बनी रही। बृहस्पतिवार को एनपीसी ने लगभग 278 अरब अमेरिकी डॉलर के रक्षा बजट को मंजूरी दे दी, जो पिछले वर्ष की तुलना में सात प्रतिशत अधिक है। यह चीन द्वारा अमेरिकी सेना के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए सशस्त्र बलों के तीव्र आधुनिकीकरण के प्रयासों का हिस्सा है। चीन का सबसे बड़ा वार्षिक संसदीय सत्र, अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बीच आयोजित किया गया, जो एक दशक से अधिक समय से बीजिंग का करीबी सहयोगी रहा है। जहां चीन को ईरान से सस्ते दामों पर सामान खरीदने का लाभ मिला, वहीं तेहरान ने अपनी अधिकांश सैन्य खरीद चीनी सेना से ही की। ईरान पर हमले तेज होने और चीन समेत दुनियाभर में तेल आपूर्ति बाधित होने के साथ ही, अंतरराष्ट्रीय ध्यान बीजिंग की प्रतिक्रिया पर केंद्रित हो गया कि क्या वह द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी के तहत ईरान को खुला सैन्य समर्थन प्रदान करेगा जिसकी उसे (ईरान को) उम्मीद है।

ईरान ने खाड़ी देशों में बमबारी करके जवाबी कार्रवाई की

खाड़ी क्षेत्र में मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर विचार-विमर्श करने शहबाज शरीफ सऊदी अरब की यात्रा पर गए

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बृहस्पतिवार को सऊदी अरब की संक्षिप्त सरकारी यात्रा पर रवाना हुए। सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान के रक्षा समझौते के कारण इस यात्रा में पाकिस्तान की भूमिका की परख होगी। दोनों देशों ने पिछले साल सितंबर में एक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे तथा दोनों ने किसी तीसरे देश द्वारा हमला किए जाने की स्थिति में एक-दूसरे की रक्षा करने की प्रतिबद्धता जताई थी। यह समझौता तब हुआ था जब इजराइल ने कतर में हमास के नेताओं पर हमला किया था। हालांकि, अमेरिका और इजराइल द्वारा साथ मिलकर ईरान पर हमले शुरू किए जाने के बाद स्थिति बदल गई। ईरान ने खाड़ी देशों में बमबारी करके जवाबी कार्रवाई की।

ईरान के साथ पाकिस्तान के अच्छे संबंधों और भौगोलिक निकटता को देखते हुए, इस बात को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है कि क्या पाकिस्तान सऊदी अरब के प्रति अपने दायित्वों को पूरा करेगा। एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के प्रवक्ता मुर्शरफ जैदी ने कहा था कि पाकिस्तान सऊदी अरब की मदद के लिए जरूरत पड़ने से पहले ही मौजूद रहेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक बयान में कहा गया है कि सऊदी के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री यह यात्रा कर रहे हैं। उसने कहा है कि प्रधानमंत्री सऊदी अरब के युवराज से मुलाकात करेंगे तथा भेंटवार्ता के दौरान दोनों क्षेत्र में जारी तनाव, क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर विचार-विमर्श करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, यह दौरा कूटनीतिक क्षेत्र में पाकिस्तान की सकारात्मक भूमिका को उजागर करता है और पाकिस्तान इस भूमिका को निभाता रहेगा। अलग से, विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर हुसैन अंद्राबी ने साप्ताहिक ब्रीफिंग के दौरान इस यात्रा की पुष्टि करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री एक दिवसीय सऊदी अरब यात्रा पर रवाना हुए हैं। उन्होंने बताया कि उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार भी प्रधानमंत्री के साथ इस यात्रा पर गए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि यह यात्रा क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा से संबंधित मामलों पर पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच चल रहे समन्वय का हिस्सा है। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएफ) और सेना प्रमुख (सीओएएस) फील्ड मार्शल आसिम मुनीर द्वारा सात मार्च को सऊदी अरब की यात्रा करने और रक्षा मंत्री खालिद बिन सलमान अल सऊद से मुलाकात करने के बाद यह सऊदी अरब की दूसरी उच्च स्तरीय यात्रा थी।

अमेरिका पाकिस्तान के पेशावर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को स्थाई रूप से बंद करेगा

वाशिंगटन, (भाषा)। अमेरिकी विदेश मंत्रालय पाकिस्तान के पेशावर में स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को स्थाई रूप से बंद करेगा जो अफगान सीमा के सबसे नजदीक स्थित अमेरिकी राजनयिक मिशन था और 2001 में अफगानिस्तान पर अमेरिका के हमले से पहले तथा बाद में एक प्राथमिक संचालन और रसद केंद्र था। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) द्वारा बुधवार को प्राप्त अधिसूचना की एक प्रति के अनुसार, मंत्रालय ने इस सप्ताह कांग्रेस को वाणिज्य दूतावास को बंद करने के अपने इरादे के बारे में सूचित किया और कहा कि इससे प्रति वर्ष 75 लाख अमेरिकी डॉलर की बचत होगी तथा पाकिस्तान में अमेरिकी राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने की उसकी क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगभग सभी संघीय एजेंसियों में कटौती शुरू करने के बाद से यह कदम एक साल से अधिक समय से विचाराधीन है और इसका ईरान युद्ध से कोई संबंध नहीं है। ईरान युद्ध के कारण कराची और पेशावर सहित विभिन्न पाकिस्तानी शहरों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं जिसके कारण अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों ने अस्थाई रूप से अपना संचालन निलंबित कर दिया है। मंगलवार को जारी नोटिस के अनुसार, पेशावर वाणिज्य दूतावास में 18 अमेरिकी राजनयिक और अन्य सरकारी कर्मचारी तथा 89 स्थानीय कर्मचारी कार्यरत हैं। नोटिस में कहा गया है कि मंत्रालय इसे बंद करने के लिए 30 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च करेगा।

महावाणिज्यदूत ने चीन के एंटग्रुप की उपाध्यक्ष से फिनटेक तथा डिजिटल जुड़ाव पर चर्चा की

बीजिंग, (भाषा)। शंघाई में भारत के महावाणिज्यदूत प्रतीक माथुर ने बृहस्पतिवार को एंटग्रुप की उपाध्यक्ष और वैश्विक मामलों एवं रणनीतिक विकास की प्रमुख कैरी सुएन से मुलाकात की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा की। एंटग्रुप स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में चीन के अग्रणी नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी प्रदाताओं में से एक है। वाणिज्य दूतावास द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भारत द्वारा मंगलवार को चीन के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नियमों में ढील देने की मंजूरी के मद्देनजर आयोजित चर्चा में फिनटेक नवाचार, डिजिटल अर्थव्यवस्था के अवसर और आर्थिक संबंधों को प्रगाढ़ करने जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया गया। माथुर ने कहा कि चर्चाओं में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे उन्नत प्रौद्योगिकी और सतत विकास समावेशी विकास को गति दे सकते हैं, जैसा कि दोनों देशों में देखा जा रहा है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सतत विकास साझेदारियों को मजबूत करने से ग्लोबल साउथ को सशक्त किया जाएगा, जिससे डिजिटल परिवर्तन सुनिश्चित होगा और सभी के लिए समृद्धि सुनिश्चित करने वाले किफायती समाधान बनाए जा सकेंगे। आर्थिक रूप से कम संपन्न देशों के संदर्भ में ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल किया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

इराकी जलक्षेत्र में अमेरिकी तेल टैंकर सेफसी विष्णु पर ईरान के हमले में भारतीय नागरिक की मौत

» न्यूयॉर्क, भाषा।

इराक के पास अमेरिकी स्वामित्व वाले तेल टैंकर पर आत्मघाती नौका से किए गए ईरान के हमले में एक भारतीय नागरिक के मारे जाने की सूचना है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने को बताया कि अमेरिकी स्वामित्व वाले और मार्शल आइलैंड ध्वज वाले तेल टैंकर सेफसी विष्णु पर इराक के जलक्षेत्र के भीतर खोर अल जुबैर बंदरगाह के पास एक ईरानी आत्मघाती नौका ने हमला किया था। सूत्रों के अनुसार, हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है जिसका नाम अभी उजागर नहीं किया गया है जबकि तेल टैंकर पर सवार चालक दल के अन्य सदस्यों और कर्मियों, कुल 27 लोगों को बचा लिया गया और उन्हें बसरा ले जाया गया है। सेफसी के करीबी सूत्रों ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि कंपनी इस हमले में भारतीय नागरिक की मौत की खबर सुनकर बेहद दुखी है।

उसने भारत सरकार से इस हमले की कड़ी निंदा करने और पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के मद्देनजर क्षेत्र में जहाजों पर सवार चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है।सूत्रों ने इस बात को लेकर चिंता व्यक्त की कि वैश्विक स्तर पर नाविकों में भारतीयों की संख्या 15 प्रतिशत से अधिक है इसलिए ईरान चाहे जिस भी जहाज को निशाना बनाए, भारतीय नागरिक अप्रत्यक्ष रूप से निशाना बनेंगे। वेसल फाइंडर वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, 228.6 मीटर लंबा और 32.57 मीटर चौड़ा सेफसी विष्णु का निर्माण 2007 में हुआ था और वर्तमान में यह मार्शल द्वीप समूह के ध्वज के तहत संचालित होता है। इसका सकल टन भार 42010 टन और डेडवेट टन भार 73976 टन है। डेडवेट टन भार (डीडब्ल्यूटी) किसी जहाज का वह अधिकतम भार है जिसे वह चालक दल सहित कार्गो, ईंधन, ताजे पानी, राशन और अन्य सामग्री को सुरक्षित रूप से वहन कर सकता है।

इजराइली सेना ने फलस्तीनी बंदी के साथ यौन दुर्व्यवहार के आरोपी सैनिकों के विरुद्ध लगे आरोप वापस लिए

» यरुशलम, भाषा।

इजराइली सेना ने कहा है कि वह उन पांच सैनिकों के खिलाफ आरोप वापस ले रही है जिन पर एक फलस्तीनी बंदी के साथ यौन दुर्व्यवहार करने का आरोप था।

यह घटना आंशिक रूप से कैमरे में कैद हो गई थी। इस हाई प्रोफाइल मामले में सेना ने यह घोषणा ऐसे समय की है जब इजराइल का ध्यान ईरान के साथ युद्ध पर केंद्रित है।

पाकिस्तान में मोर्टार गोले में विस्फोट के कारण पांच लोगों की मौत

» पेशावर, भाषा।

पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से सटे एक रिहायशी इलाके में बुधवार देर रात मोर्टार का गोला फटने से एक परिवार के कम से कम पांच सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर जिले की तिराह घाटी के सेरी कंदाओ इलाके में हुई। अज्ञात दिशा से दागा गया मोर्टार का गोला रिहायशी इलाके में आकर गिरा जिससे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हमले में नियाज बादशाह नाम का व्यक्ति, उसके दो बेटे, उसका भतीजा और पोता मारे गए।

इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। स्थानीय निवासियों ने लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और मामले की तत्काल जांच किए जाने के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कदम उठाए जाने की मांग की। पाकिस्तान ने बुधवार को कहा कि उसके सुरक्षा बलों ने दो सप्ताह पहले शुरू किए गए सैन्य अभियान में 641 अफगान तालिबान लड़ाकों को मार गिराया और इस अभियान के दौरान 855 से अधिक लड़ाके घायल हुए हैं। अफगानिस्तान की ओर से 2,611 किलोमीटर लंबी सीमा पर 53 स्थानों पर हमला किए जाने के बाद, पाकिस्तान ने 26 फरवरी को ऑपरेशन गजब-लिल-हक नामक सैन्य कार्रवाई शुरू की।

होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने वाले रणनीतिक लाभ का इस्तेमाल किया जाना चाहिए : ईरान के सर्वोच्च नेता

तेल की कीमतें फिर से 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गईं

» दुबई, भाषा।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के रणनीतिक लाभ का इस्तेमाल किया जाना चाहिए और खाड़ी अरब के पड़ोसियों पर ईरान के हमले जारी रहेंगे। उनके शीर्ष पद संभालने के बाद उनका पहला बयान बृहस्पतिवार को सरकारी टेलीविजन पर एक समाचार प्रस्तोता द्वारा पढ़ा गया। खामेनेई कैमरे के सामने नहीं आए और इजराइली आकलन से पता चलता है कि युद्ध की शुरुआती गोलीबारी में वह घायल हो गए थे।

उन्होंने एक स्कूल पर हुए हमले में मारे गए लोगों समेत युद्ध में मारे गए लोगों का बदला लेने का संकल्प जताया। उन्होंने अमेरिका का संदर्भ देते हुए कहा कि ईरान अपने दुश्मन से 'मुआवजा वसूलेगा। उन्होंने कहा कि अगर वह इनकार करता है, तो ईरान उसकी संपत्तियों से वसूली करेगा या उन्हें उसी हद तक नष्ट कर देगा। फारस की खाड़ी में पोत परिवहन और ऊर्जा अवसंरचना पर ईरान के लगातार हमलों के कारण बृहस्पतिवार को तेल की कीमतें फिर से 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई। अमेरिकी और इजराइली हमलों ने इस्लामिक गणराज्य पर कहर बरपाया और युद्ध के अंत के कोई स्पष्ट संकेत नजर नहीं आ रहे हैं। ईरान वैश्विक स्तर पर इतना आर्थिक नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है जिससे अमेरिका और इजराइल पर बमबारी रोकने का दबाव पड़े। अमेरिका व इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले के साथ युद्ध की शुरुआत की थी। ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि जब तक ईरान को किसी अन्य हमले के खिलाफ सुरक्षा गारंटी नहीं मिल जाती, तब तक उसके हमले जारी रहेंगे, जिससे यह संकेत मिलता है कि युद्धविराम या अमेरिका द्वारा जीत की घोषणा के बावजूद संघर्ष रुकेगा नहीं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने काम पूरा करने का वादा किया है, हालांकि उन्होंने दावा किया है कि ईरान 'लगभग पूरी तरह से नष्ट हो चुका है।

ईरान की संसद के अध्यक्ष ने द्वीपों पर किसी भी तरह के हमले के खिलाफ चेतावनी दी

दुबई, (भाषा)। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर कलीबाफ ने बृहस्पतिवार को कहा कि ईरान के द्वीपों पर किसी भी तरह के हमले से फारस की खाड़ी हमलावरों के खून से लथपथ हो जाएगी। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका है कि आखिरकार ईरानी संसद के अध्यक्ष कलीबाफ को इस तरह की टिप्पणियां करने के लिए क्यों मजबूर होना पड़ा। इस बयान से ईरान के साथ जारी युद्ध को लेकर तनाव और बढ़ गया। ईरान के पास तीन द्वीप हैं, जो उसने 1971 में संयुक्त अरब अमीरात के गठन से पहले उससे हासिल किए थे। ऐसी अटकलें भी हैं कि अमेरिका फारस की खाड़ी में स्थित ईरान के मुख्य तेल टर्मिनल खारग द्वीप को निशाना बना सकता है।

पाकिस्तान की अदालत ने खान को निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की याचिका खारिज की : हुसैन

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान की अदालत ने बृहस्पतिवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने संबंधी याचिका खारिज कर दी और उनकी चिकित्सीय जांच के लिए चिकित्सकों का एक दल गठित करने का आदेश दिया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने दो मार्च को अधिवक्ता लतीफ खोसा के माध्यम से इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) में याचिका दायर कर खान को रावलपिंडी की अदियाला जेल से इस्लामाबाद के शीफा अंतरराष्ट्रीय अस्पताल में आंखों के उपचार के लिए स्थानांतरित करने की मांग की थी।

न्यायमूर्ति अरबाब मोहम्मद ताहिर और न्यायमूर्ति खादिम हुसैन सूमरो ने मामले की सुनवाई की। खोसा ने अपनी दलीलें पेश कीं, जबकि इस्लामाबाद के महाधिवक्ता अयाज शौकत और अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल राशिद हाफीज सरकार की ओर से पेश हुए। खोसा ने अदालत को बताया कि खान अपनी दाहिनी आंख की दृष्टि में गिरावट की शिकायत कर रहे थे। हालांकि उनका इलाज पाकिस्तान आयुर्विज्ञान संस्थान(पीआईएमएस) में किया गया था, लेकिन उनके परिवार और कानूनी टीम को उनकी चिकित्सा प्रक्रिया के बारे में सूचित नहीं किया गया था। दलील सुनने के बाद, अदालत ने खान को निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की याचिका को नामंजूर कर दिया। हालांकि, इसने इस्लामाबाद के मुख्य आयुक्त मुहम्मद अली रंधावा को खान की जांच के लिए एक चिकित्सा बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया। अदालत ने आदेश दिया कि पीआईएमएस के नेत्र रोग विभाग के प्रमुख डॉ. मुहम्मद आरिफ और रावलपिंडी के अल-शीफा नेत्र अस्पताल के रेटिना विशेषज्ञ डॉ. नदीम कुरैशी को बोर्ड में शामिल किया जाए। खान पिछले साल अक्टूबर से दाहिनी आंख की बीमारी से पीड़ित बताए जा रहे हैं और उनका उपचार चल रहा है। सरकार के अनुसार, चिकित्सा उपचार के बाद उनकी आंख और दृष्टि दोनों में सुधार हुआ है। 72 वर्षीय खान अगस्त 2023 से जेल में हैं और अल कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में अदियाला जेल में सजा काट रहे हैं।

मनमोहन सिंह और खालिदा जिया ने खामनेई समेत कई नेताओं के निधन पर शोक जताया

ढाका, (भाषा)। बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और दिवंगत ईरानी नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय नेताओं के निधन पर शोक व्यक्त किया। देश की 13वीं संसद के पहले सत्र में शोक व्यक्त करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें शुरू में दिवंगत पोप फ्रांसिस और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की आवामी लीग की पूर्व सांसद और नेता मतिया चौधरी सहित 31 नाम शामिल थे। हालांकि, मुख्य विपक्षी दल जमात-ए-इस्लामी के आग्रह पर, 1971 के युद्ध अपराधियों के नाम भी इसमें शामिल किए गए, जिन्हें पाकिस्तानी सेना के कट्टर सहयोगी के रूप में देश के मुक्ति युद्ध के दौरान फांसी दी गई थी। प्रस्ताव में जुलाई-अगस्त में हुए जन विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के नाम भी शामिल किए गए, जिसके बाद अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार गिर गई थी। नव निर्वाचित अध्यक्ष हाफिज उद्दीन अहमद ने फांसी दिए गए युद्ध अपराधियों के नामों को सूची में शामिल करने पर सहमति जताई क्योंकि जमात का दावा था कि नामों की प्रारंभिक सूची एकतरफा थी। अध्यक्ष 1971 के स्वतंत्रता सेनानी रह चुके हैं। फांसी पर लटकाए गए बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता सलाहुद्दीन कादर चौधरी के लिए एक अलग शोक प्रस्ताव पेश किया गया, जिन पर 1971 के युद्ध अपराधों के लिए मुकदमा चलाया गया था। उन पर पाकिस्तानी सेना का साथ देकर बांग्लादेश की 1971 की स्वतंत्रता को रोकने का आरोप था। बीएनपी सांसद और संसद के मुख्य सचेतक नूरुल इस्लाम मोनी ने नामों का समर्थन किया।

इजराइल ने दक्षिण लेबनान के विशाल क्षेत्र से लोगों को चले जाने की चेतावनी दी

दुबई, (भाषा)। इजराइल की सेना ने दक्षिणी लेबनान के एक बड़े इलाके के निवासियों को अपने घरों से चले जाने की चेतावनी दी है और कहा है कि वह हिजबुल्ला के खिलाफ दृढ़ कार्रवाई करेगी। इजराइली सेना के अरबी भाषा प्रकोष्ठ के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने एक्स पर कहा कि लेबनानी निवासियों को जहरानी नदी के उत्तर में चले जाना चाहिए, जो इजराइल की सीमा से लगभग 56 किलोमीटर दूर है। ईरान के साथ मौजूदा व्यापक युद्ध के तहत इजराइल और हिजबुल्ला के बीच नवीनतम संघर्ष में लेबनान में पिछले 10 दिनों में आठ लाख से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं।

वीटो अधिकार वाले स्थाई सदस्यों चीन और रूस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया

भारत ने जीसीसी देशों, जॉर्डन पर ईरान के हमलों की निंदा करने वाले प्रस्ताव को सह प्रायोजित किया

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उस प्रस्ताव को सह-प्रायोजित किया जिसमें खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों एवं जॉर्डन के खिलाफ ईरान द्वारा किए गए भीषण हमलों की निंदा की गई है, सभी ईरानी हमलों को तत्काल रोके जाने की मांग की गई है और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की धमकियों की भी निंदा की गई है। अमेरिका की अध्यक्षता वाली 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद ने 13 मतों के साथ इस प्रस्ताव को बुधवार को पारित किया। इसके खिलाफ कोई मत नहीं पड़ा जबकि वीटो अधिकार वाले स्थाई सदस्यों चीन और रूस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। भारत ने 130 से अधिक देशों के साथ मिलकर बहरीन के नेतृत्व वाले इस प्रस्ताव का सह-प्रायोजन किया।

इस प्रस्ताव को प्रायोजित करने वाले देशों में ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बांग्लादेश, भूटान, कनाडा, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, यूनान, इटली, जापान, कुवैत, मलेशिया, मालदीव, म्यांमा, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, स्पेन, यूक्रेन, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, अमेरिका, यमन और जाम्बिया शामिल हैं। इस प्रस्ताव के कुल 135 सह-प्रायोजक थे। इसमें बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता एवं राजनीतिक स्वतंत्रता के प्रति मजबूत समर्थन को दोहराया गया है। इसमें बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन के क्षेत्रों पर ईरान के भीषण हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा गया है कि इस प्रकार के कृत्य अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं तथा अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। इस प्रस्ताव में मांग की गई है कि ईरान जीसीसी देशों एवं जॉर्डन के खिलाफ सभी हमलों को तत्काल रोके और पड़ोसी देशों के खिलाफ छद्म समूहों के इस्तेमाल समेत किसी भी उकसावे वाली या धमकाने वाली कार्रवाई को तुरंत और बिना शर्त रोके। इसमें दोहराया गया कि व्यापारिक एवं वाणिज्यिक पोतों के नौवहन अधिकारों और स्वतंत्रता का विशेष रूप से महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के आसपास अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप सम्मान किया जाना चाहिए। इस प्रस्ताव में सदस्य देशों के उस अधिकार को संज्ञान में लिया गया है जिसके तहत वे हमलों और उकसावों से अपने पोतों की रक्षा कर सकते हैं। इस प्रस्ताव में ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय नौवहन को बंद करने, बाधित करने या किसी भी तरह से हस्तक्षेप करने या बाब अल मंदाब में समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालने के उद्देश्य से की गई हर प्रकार की कार्रवाई या धमकी की निंदा की गई। इस प्रस्ताव में कहा गया कि रिहायशी इलाकों पर हमला किया गया, असैन्य साजो सामानों को निशाना बनाया गया और इन हमलों में आम नागरिक हताहत हुए तथा असैन्य इमारतों को नुकसान पहुंचा। प्रस्ताव में उन देशों और लोगों के साथ एकजुटता जताई गई जो हमलों का शिकार हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के प्रतिनिधि राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि इस प्रस्ताव को अपनाया जाना ईरानी शासन की क्रूरता की निंदा करने वाला खाड़ी देशों का सीधा और स्पष्ट बयान है। ईरानी शासन की आम नागरिकों और असैन्य अवसंरचना को निशाना बनाने की प्रवृत्ति निंदनीय है। वाल्ट्ज ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम ने कूटनीतिक बातचीत की हर कोशिश की। वाल्ट्ज ने कहा, उन्होंने शांति की कोशिश की और 47 वर्षों की शत्रुता एवं हमलों को खत्म करने का प्रयास किया लेकिन ईरान ने केवल और अधिक मिसाइल, और अधिक ड्रोन तथा परमाणु प्रलय की ओर अग्रसर होने का रास्ता खोजा। राष्ट्रपति ट्रंप ने लक्ष्मण रेखा खींच दी है। ईरान ने इसे एक बार फिर पार किया और अब दुनिया इसके परिणामों का सामना कर रही है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com